RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक: 06 ता. 28 जून 2022, मंगलवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

ट्विटर ने पत्रकार राणा अय्यूब के अकाउंट पर भारत में लगाई रोक, टेनिस खिलाड़ी ने पूछा- अगला नंबर किसका?

नई दिल्ली। माइक्रोब्लॉगिंग साइट ट्विटर ने पत्रकार राणा अय्यूब के अकाउंट पर भारत में रोक लगा दी है। यह कार्रवाई सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के तहत हुई है। अय्यूब ने रविवार को अपने ट्विटर अकाउंट पर नोटिस पोस्ट किया और कहा, हैलो ट्विटर, आखिर यह है क्या?

अय्यूब ने जो नोटिस शेयर किया, उसमें लिखा है कि भारत के स्थानीय कानूनों के तहत दायित्वों का पालन करते हुए हमने भारत में इस अकाउंट पर रोक लगा दी है। यह कार्रवाई देश के सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के तहत हुई है।

नोटिस में क्या कहा गया है?

नोटिस के मुताबिक, हमारी सेवा का इस्तेमाल करने वाले लोगों की आवाज को बचाव करने और उनका सम्मान करने में ट्विटर दृढ़ता से विश्वास करता है, अगर हमें किसी अधिकृत संस्था (कानून प्रवर्तन या सरकारी एजेंसी) से कंटेंट को हटाने के लिए लीगल रिक्वेस्ट मिलती है, तो एकाउंट होल्डर्स को सूचना देना हमारी नीति है। हम यह पता करने के लिए नोटिस देते हैं कि उपयोगकर्ता उस देश में रहता है या नहीं, जहां से अपील की गई है।÷

अय्यूब के समर्थन में उठी आवाजें

अय्यूब के ट्वीट के जवाब में टेनिस दिग्गज मार्टिना नवरातोलिना ने कहा, तो अगला कौन है?!? यह भयानक है। उन्होंने अपनी पोस्ट में राणा अय्यूब और ट्विटर को टैग किया है। वहीं, प्रसार भारती के पूर्व सीईओ शशि शेखर वेम्पति ने कहा कि ट्विटर का नोटिस ÷या तो एक बग या पिछली घटनाओं को लेकर देर से आई प्रतिक्रिया हो सकती है। मुझे भी पिछले साल की ट्विटर से ऐसा ईमेल मिला था।÷

ज्योतिरादित्य सिंधिया के फॉर्मूले से एकनाथ शिंदे गुट को लाने की तैयारी में भाजपा

मुंबई। महाराष्ट्र की उद्धव ठाकरे की नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी सरकार इन दिनों सियासी संकटों का सामना कर रही है। एकनाथ शिंदे की अगुवाई में बागी विधायकों का बड़ा जमावड़ा गुवाहाटी के एक फाइव स्टार होटल में लगा हुआ है। इनमें से करीब 16 विधायकों को विधानसभा के डिप्टी स्पीकर ने नोटिस जारी किया है, जिसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है। इस मामले पर आज सुनवाई होनी है।

एकनाथ शिंदे गुट का दावा है कि उनके साथ 50 से अधिक विधायक हैं। इनमें से शिवसेना करीब 40 विधायक हैं। अघाड़ी सरकार ने इनमें से 16 विधायकों के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी कर ली है। डिप्टी स्पीकर ने इन्हें नोटिस भेजा है। जवाब दाखिल करने की अंतिम तारीख आज ही है। शिवसेना और शिंदे गुट की नजर आज सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर होगी।

काफी ताकतवर हैं बागी शिवसैनिक, ठाकरे के लिए आसान नहीं फिर से खड़ा होना

महाराष्ट्र के इन तमाम सियासी घटनाक्रम में

बीजेपी की भूमिका पर भी सवाल उठना लाजमी है। इसका प्रमुख कारण बागी विधायकों का बीजेपी शासित राज्य गुवाहाटी में डेरा जमाना है। साथ ही कल देर रात महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के आवास पर बीजेपी के विधायक और विधान परिषद के सदस्यों का पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। बैठकों का दौर चला।

सभी बागी विधायकों का इस्तीफा दिला सकती है भाजपा

मध्य प्रदेश में जिस तरह कांग्रेस के विधायकों ने ज्योतिरादित्य सिंधिया के नेतृत्व में पार्टी और विधायकी से इस्तीफा देकर कमलनाथ की सरकार को गिरा दिया था, ठीक उसी तरह महाराष्ट्र में शिवसेना के बागी विधायक भी कर सकते हैं। उनके इस कदम से महा विकास अघाड़ी की सरकार अल्पमत में आ जाएगी और विधानसभा में बहुमत साबित नहीं कर पाएगी। बीजेपी के पास सरकार बनाने का दावा पेश करने का मौका होगा। महाराष्ट्र में उपचुनाव की नौबत आएगी और बीजेपी कोशिश होगी कि इनमें से अधिकांश चुनाव जीतकर सदन में आएं।

शिंदे गुट का शिवसेना पर दावा

आपको बता दें कि एकनाथ शिंदे की अगुवाई में शिवसेना के बागी विधायक लगातार पार्टी पर दावा ठोक रहे हैं। उनका कहना है कि वे बालासाहेब ठाकरे के सिद्धांतों पर चलने वाले शिवसैनिक हैं। शिवसेना पर अधिकार पाने की राह बागियों के लिए आसान नहीं है। ऐसे हालात में ये विधायक विधानसभा में एक अलग गुट की दावेदारी पेश कर सकते हैं। इसके बाद भाजपा के साथ समझौता कर सरकार बना सकते हैं। अगर इन्हें इसमें भी असफलता मिलती है तो इनके पास इस्तीफा देने के अलावा कोई चारा नहीं बचेगा।

काफी ताकतवर हैं शिवसेना के बागी विधायक

एकनाथ शिंदे के साथ विधायकों को देखने से पता चलता है कि शिवसेना के भीतर बागी नेता का जुड़ाव कितना मजबूत है और उद्धव ठाकरे को अपनी पार्टी के पुनर्निर्माण के लिए कितना प्रयास करना होगा। शिवसेना के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि पार्टी के लिए मुख्य चिंता यह है कि अधिकांश विद्रोही न केवल अपने निर्वाचन क्षेत्रों में एक ताकत हैं, बल्कि जिलों में पार्टी को मजबूत करने में एक प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं।

ठाकरे के लिए आसान नहीं है लड़ाई

उन्होंने कहा, इनमें से कई विधायक कम से कम तीन बार चुनाव जीत चुके हैं। स्थानीय कार्यकर्ता ठाकरे के साथ संबंधों में खटास आने पर भी उनका साथ नहीं छोड़ेंगे। इनमें से कई बागियों ने अपने क्षेत्रों में शिवसेना को मजबूत करने में प्रमुख भूमिका निभाई है। उनके योगदान को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। ऐसे निर्वाचन क्षेत्रों में पार्टी का आधार फिर से बनाना मुख्यमंत्री के लिए कठिन काम होगा।÷

6 महीने में देश को मिलेंगे 2 नये CJI

प्रधान न्यायाधीश एन वी रमणा सहित 5 न्यायाधीश होंगे सेवानिवृत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में आने वाले छह महीने काफी हलचल भरे रहेंगे। प्रधान न्यायाधीश एनवी रमणा सहित पांच न्यायाधीश सेवानिवृत हो जाएंगे। सेवानिवृत होने वाले न्यायाधीशों में दो सीजेआइ (चीफ जस्टिस आफ इंडिया) शामिल होंगे। सीजेआइ बनने वालों में एक न्यायाधीश ऐसे हैं जो सीधे वकील से सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश नियुक्त हुए थे। प्रधान न्यायाधीश एनवी रमणा के सेवानिवृत होने के बाद वरिष्ठताक्रम के हिसाब से जस्टिस यूयू ललित भारत के अगले प्रधान न्यायाधीश बनेंगे, लेकिन जस्टिस ललित का प्रधान न्यायाधीश के रूप में कार्यकाल मात्र दो महीने कुछ दिन का ही होगा और उनके बाद वरिष्ठताक्रम को देखते हुए जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ भारत के प्रधान न्यायाधीश बनेंगे जो दो साल तक भारत के प्रधान न्यायाधीश रहेंगे।

जस्टिस चंद्रचूड़ पहले ऐसे सीजेआइ होंगे जिनके पिता भी सीजेआइ रह चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों के कुल मंजूर पद 34 है और इस वक्त 32 न्यायाधीश कार्यरत हैं जबकि दो पद रिक्त हैं। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की सेवानिवृति की शुरुआत 29 जुलाई से होगी जब जस्टिस एएम खानविल्कर सेवानिवृत होंगे। जस्टिस खानविल्कर ने वैसे तो कई ऐतिहासिक फैसले सुनाए हैं, लेकिन गुजरात दंगों में एसआइटी द्वारा दी गई क्लीनचिट पर मुहर लगाने वाला गत 24 जून का उनका ताजा फैसला फिलहाल चर्चा में है। जस्टिस खानविल्कर की पीठ ने ही महाराष्ट्र विधानसभा के 12 विधायकों को एक वर्ष के लिए निलंबित करने का प्रस्ताव असंवैधानिक ठहराने का फैसला सुनाया था। जस्टिस खानविल्कर के बाद 26 अगस्त को प्रधान न्यायाधीश एनवी रमणा सेवानिवृत होंगे। जस्टिस रमणा ने बहुत से महत्वपूर्ण फैसले दिये हैं जिनके लिए उन्हें याद किया जाएगा लेकिन महाराष्ट्र में सरकार बनाने का दावा और बहुमत को लेकर हुए विवाद में 24 घंटे के भीतर फ्लोर टेस्ट कराने का फैसला महत्वपूर्ण है।

रेड लाइन में दिक्कत, इंद्रलोक और पीतमपुरा के बीच देरी से चल रही है मेट्रो

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो की रेड लाइन से सफर करने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिसकी वजह से सुबह से ही स्टेशन के बाहर लोगों की लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने एक आधिकारिक बयान जारी करते हुए कहा है कि रेड लाइन पर इंद्रलोक और पीतमपुरा के बीच सेवाओं में देरी हो रही है। अन्य सभी लाइनों पर सामान्य सेवाएं चालू हैं। रेड लाइन में 29 स्टेशन हैं। यह मेट्रो लाइन जो रिठाला से शहीद स्थल तक कुल 34.55 किमी की दूरी तय करती है।

रेड लाइन के एक यात्री अक्षय जोशी ने कहा कि गाजियाबाद से

आने वाली मेट्रो कश्मीरी गेट से पहले कई बार रुक चुकी है। डीएमआरसी को समस्या का समाधान करना चाहिए। कई यात्रियों ने लगातार व्यवधानों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया पर अपना दर्द बयां किया। दूसरे यात्री गौरव गौतम ने कहा कि रेड लाइन ठीक से काम नहीं कर रही है। मैंने रिठाला मेट्रो स्टेशन पर 15 मिनट तक मेट्रो के गेट खुलने का इंतजार किया।

भाजपा को हराने की जमीनी शक्ति बसपा के ही पास, उपचुनाव परिणाम के बाद बोलीं मायावती

तीसरे यात्री रवि आर्यन ने कहा कि उनके जैसे लोगों को रिठाला से शहीद स्थल की ओर जाने में काफी देरी हो रही है। रिठाला मेट्रो स्टेशन पर यात्रियों को मेट्रो कर्मचारियों के साथ बहस करते हुए देखा गया। इससे पहले जून में यात्रियों को कई बार ब्लू लाइन मेट्रो पर दिक्कतों का सामना करना पड़ा है। पिछले हफ्ते गुरुवार को, दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने कहा था कि जून में अब तक छह बार मेट्रो सेवाओं के परिचालन में दिक्कत आई है। जिसमें से तीन तीन तकनीकी खराबी थे। बाकी की तीन खराबी पक्षियों, पतंग का मांझा की वजह से हुई थी। इनके संपर्क में ओवरहेड इक्यूपमेंट आया और परिणाम स्वरूप मेट्रो के पहिए थम गए थे।

दिल्ली दंगल में AAP के सामने फूला BJP का दम, 2 साल में 6 सीटों पर पिटी

नई दिल्ली। दिल्ली में राजेंद्र नगर सीट पर हुए उपचुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 11 हजार से अधिक वोटों से हरा दिया है। पहली नजर में भाजपा नेता और समर्थक इसे महज एक सीट पर उपचुनाव की हार कहकर नजरअंदाज कर सकते हैं, लेकिन 2020 विधानसभा चुनाव के बाद यह भगवा दल की पहली हार नहीं है। करीब ढाई दशक से दिल्ली की सत्ता से दूर भाजपा को दिल्ली के दंगल में बार-बार पटखनी मिल रही है। पिछले 2 साल में ही बीजेपी को एमसीडी और विधानसभा की 6 सीटों पर हार का सामना करना पड़ा है, जिसमें से 5 पर 'आप' ने पटका है। राजेंद्र नगर विधानसभा सीट पर उपचुनाव से पहले भाजपा को पिछले साल मार्च में भी एमसीडी की पांच सीटों पर उपचुनाव में हार का सामना करना पड़ा था। यहां तक की शालीमार बाग जैसे गढ़ में भी पार्टी को शर्मिंदगी झेलनी पड़ी। शालिमार बाग के अलावा 'आप' ने रोहिणी सी, त्रिलोकपुरी और कल्याणपुरी में जीत हासिल की थी। वहीं, जौहान बांगर सीट पर कांग्रेस ने जीत हासिल की थी।

एमसीडी चुनाव पर होगा असर?

हाल ही में केंद्र की बीजेपी सरकार ने तीनों एमसीडी का एकीकरण किया है और इस वजह से

चुनाव में देर हो चुकी है। राजधानी में जल्द ही नगर निगम चुनाव हो सकते हैं। राजेंद्र नगर सीट पर जीत से उत्साहित 'आप' नेताओं ने बीजेपी को एमसीडी चुनाव कराने की चुनौती देना शुरू कर दिया है। राजनीतिक जानकारों की मानें तो इस हार ने भाजपा की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। काडर का मनोबल कमजोर होने से भाजपा को एमसीडी चुनाव में भी नुकसान की आशंका है।

बुजुर्गों से ज्यादा महिलाओं के लिए कोरोना की पहली लहर थी घातक

नई दिल्ली। कोरोना वायरस संक्रमण की पहली लहर को शायद ही कभी कोई भुला पाए। ऐसा माना जाता रहा है कि कोरोना की पहली लहर में बुजुर्ग काफी प्रभावित हुए। लेकिन हाल ही में किए गए एक शोध में पता चला है कि कोरोना महामारी की पहली लहर पुरुषों के मुकाबले महिलाओं के लिए ज्यादा घातक थी।

एक प्रमुख अस्पताल के शोधकर्ताओं ने कोरोना की पहली लहर के दौरान इस वायरस से संक्रमित अस्पताल में भर्ती मरीजों के एक समूह और उनको मिलनी वाली सुविधाओं पर अध्ययन किया। इसमें पाया गया कि एकसमान स्थितियों वाले पुरुषों की तुलना में महिलाओं की मृत्य दर का जोखिम ज्यादा अधिक था। सर गंगाराम अस्पताल ने एक बयान में कहा कि इस शोध को 25 जून को मॉलिक्यूलर एंड सेल्युलर बायोकैमिस्ट्री, स्प्रिंगर नेचर जर्नल में प्रकाशित किया गया है।

सर गंगा राम अस्पताल के शोधकर्ताओं द्वारा अस्पताल

में भर्ती 2,586 कोविड-19 मरीजों पर अध्ययन किया था। इन मरीजों को मधुमेह, उच्च रक्तचाप और क्रोनिक किडनी रोग के संबंध का निरीक्षण करने के लिए 2020 (पहली लहर) में 8 अप्रैल से 04 अक्तूबर 2020 के बीच अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सर गंगा राम अस्पताल के अनुसंधान विभाग में इस शोध की लेखिका और सलाहकार डाक्टर रश्मि राणा ने कहा, अध्ययन में यह भी पाया गया कि उच्च रक्तचाप के रोगियों को छोड़कर, समान सह-रुग्ण स्थितियों वाले पुरुषों की तुलना में महिलाओं में मृत्यु दर का जोखिम अपेक्षाकृत अधिक था।

वहीं, अस्पताल में रक्त आधान विभाग के सह-लेखक और अध्यक्ष डाक्टर विवेक रंजन के अनुसार, शोध ने दिखाया कि अंतर्निहित कामोरेडिडिटी वाले युवा रोगियों में सीओवीआईडी-1 संक्रमण की गंभीरता का जोखिम बीमारी की गंभीरता के संग समान अंतर्निहित स्थिति वाले बुजुर्ग रोगियों की तुलना में मृत्यु दर के उच्च जोखिम में पाया गया था। जिन 2,586 मरीजों पर शोध किया गया, उनमें से 779 को आइसीयू में भर्ती कराने की नौबत आई। वहीं, 1,807 मरीजों का सामान्य तरीके से इलाज चला जबकि सिर्फ 317 लोगों मरे। इस तरह से यहां कुल मृत्य दर सिर्फ 12.3 प्रतिशत रही।

केजरीवाल को मात नहीं दे पा रही BJP, कांग्रेस मुक्त दिल्ली से भगवा दल को हो रहा है नुकसान

नई दिल्ली। दिल्ली की राजेंद्र नगर विधानसभा सीट पर उपचुनाव में जीत हासिल कर आम आदमी पार्टी ने राजधानी में अपना किला बचाए रखा। इस सीट पर तीसरी बार आम आदमी पार्टी ने जीत हासिल की है। उपचुनाव में हार ने भाजपा की चुनावी रणनीति पर सवाल खड़े किए हैं, तो कांग्रेस दिल्ली की सियासत में लगातार कमजोर हो रही है।

राजेंद्र नगर उपचुनाव में आम आदमी पार्टी की चुनावी रणनीति सफल रही। आप ने आक्रामक चुनाव प्रचार किया। पार्टी प्रत्याशी और मंत्रियों के साथ खुद पार्टी सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने मोर्चा संभाला। मुख्यमंत्री ने राजेंद्रनगर में लगातार रोड शो किए। आप ने मुख्यमंत्री के चेहरे और दिल्ली में अपने काम के नाम पर वोट मांगा। यही नहीं, बूथ मैनेजमेंट में भी आप अन्य दलों पर भारी पड़ी। बूथस्तर पर आप कार्यकर्ताओं को लगाया गया। माइक्रो मैनेजमेंट के जरिए पार्टी अपने वोटरों को बूथ पर लेकर गई।

भाजपा की रणनीति पर सवाल - उपचुनाव में हार से भाजपा की रणनीति पर सवाल उठ रहे हैं। भाजपा चुनाव के दौरान स्थानीय मुद्दों की जगह मुख्यमंत्री को घेरने के प्रयास में लगी रही, लेकिन यह सफल नहीं हुआ।

कांग्रेस के कमजोर होने से बीजेपी को नुकसान

दिल्ली में भाजपा का मत प्रतिशत तीस से चालीस फीसदी के बीच घूमता है। भाजपा की उम्मीदें वोटों के बंटवारे पर टिकी थीं। लेकिन, कांग्रेस प्रत्याशी को करीब पौने तीन फीसदी मत मिलने से भाजपा को इसका बहुत लाभ नहीं हो पाया।

सियासी तस्वीर से गायब हुई कांग्रेस

राजेंद्रनगर उपचुनाव में कांग्रेस ने प्रेमलता पर दांव लगाया था, लेकिन उनकी जमानत जब्त हो गई। कांग्रेस प्रत्याशी को मात्र 2014 मत हासिल हुए। उपचुनाव के नतीजों से साफ है कि राजधानी के सियासी समीकरणों में कांग्रेस के लिए दिल्ली दूर है। वहीं, वोटों का बंटवारा नहीं होने से भाजपा के लिए भी मुश्किल बढ़ गई है।

स्थानीय और पंजाबी का मुद्दा नहीं चला

राघव चड्ढा के इस्तीफे के बाद खाली हुई सीट पर पंजाबी और स्थानीय का मुद्दा भी उठाने का प्रयास हुआ। भाजपा ने चुनाव में अपने प्रत्याशी राजेश भाटिया के स्थानीय होने को मुद्दा बनाया और आप प्रत्याशी को बाहरी बताया। यहां पंजाबी वोटर बड़ी संख्या में हैं। भाजपा को उम्मीद थी कि उन्हें बड़ी संख्या में पंजाबी वोटर मिलेंगे, लेकिन आप ने पंजाबी वोट भी हासिल किए।

जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास पाकिस्तानी घुसपैठिए को मार गिराया गया

जम्मू। जम्मू जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास सोमवार को सुबह सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने एक घुसपैठिए को मार गिराया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बीएसएफ के प्रवक्ता ने बताया कि क्षेत्र में मौजूद जवानों ने घुसपैठिए को बाड़ की दिशा में बढ़ते देखा था। उन्होंने कहा, ''हमारे जवानों ने उसे रुकने के लिए कहा लेकिन उसने चेतावनी को अनसुना कर दिया और बाड़ की दिशा में लगातार बढ़ता रहा।'' प्रवक्ता ने बताया कि बीएसएफ के जवानों ने घुसपैठिए पर तीन राउंड गोली चलाई और कहा कि उसका शव बाड़ के नजदीक पड़ा मिला। शव को पुलिस को सौंप दिया गया है।

मूसेवाला मर्डर केस के आरोपी गैंगस्टर के पिता पहुंचे सुप्रीम कोर्ट, लगाया यह बड़ा आरोप

नयी दिल्ली। जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के पिता ने गायक सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में अपने बेटे के ट्रांजिट रिमांड सहित विभिन्न आदेशों को चुनौती देते हुए सोमवार को उच्चतम न्यायालय का रुख किया तथा शिकायत की कि पंजाब में वकील उनके बेटे का बहिष्कार कर रहे हैं और उसका मुकदमा लड़ने के इच्छुक नहीं हैं। बिश्नोई के पिता की ओर से पेश अधिवक्ता संग्राम सिंह सरोन ने न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जे. बी. परदीवाला की खंडपीठ को अवगत कराया कि उन्होंने दिल्ली की एक अदालत के ट्रांजिट रिमांड आदेश को चुनौती दी है, लेकिन पंजाब की मानसा अदालत में कोई भी वकील बिश्नोई का मुकदमा नहीं लड़ना चाहता। उन्होंने कहा कि बिश्नोई ने पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के आदेश को भी चुनौती दी है लेकिन उनकी ओर से कोई वकील खड़ा नहीं होना चाहता है, इसलिए उन्होंने शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया है। खंडपीठ ने कहा कि यह ''पूरी तरह से गैर-न्यायोचित'' है और बिश्नोई को कानूनी सहायता के लिए वकील उपलब्ध कराने के वास्ते याचिकाकर्ता उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटा सकते हैं। सरोन ने कहा कि वह ट्रांजिट रिमांड के दिल्ली की अदालत के आदेश को चुनौती दे रहे हैं, क्योंकि यह बिश्नोई की याचिका पर शीर्ष अदालत द्वारा पारित कुछ निर्देशों के विपरीत है। पीठ ने कहा, ''चूंकि पंजाब पुलिस मामले की जांच कर रही है, यह बहुत प्रारंभिक चरण में है। इस अदालत के लिए इस स्तर पर हस्तक्षेप करना उचित नहीं होगा। न्यायालय ने कहा कि हत्या पंजाब के मानसा में हुई और इसलिए मामले की जांच करना पंजाब पुलिस का अधिकार क्षेत्र है तथा पुलिस उसे (बिश्नोई) रिमांड पर ले सकती है। पीठ 11 जुलाई को बिश्नोई के पिता की याचिका पर सुनवाई के लिए सहमत हुई। मूसेवाला हत्याकांड में दिल्ली की एक अदालत ने 14 जून को बिश्नोई को पंजाब ले जाने के लिए पंजाब पुलिस को ट्रांजिट रिमांड दिया था।

चार धाम यात्रा के दौरान 203 लोगों की मौत, उत्तराखंड ऑपरेशन सेंटर ने जारी किए दो महीने के आंकड़े

नई दिल्ली। कोरोना वायरस महामारी के आने के बाद सरकार द्वारा लगाए गये लॉकडाउन में तीर्थ स्थलों को भी बंद कर दिया गया था। अब लगभग दो साल बाद पूरी तरह तीर्थ स्थलों को जनता के लिए खोला गया है इस लिए इन दर्शनीय स्थानों पर भारी संख्या में लोग आये हैं। बात करें केदारनाथ की तो इस बार जब से केदारनाथ के कपाट जनता के लिए खुले हैं वहां पर भक्तों की संख्या में रोजाना बढ़ोत्तरी हुई है। भारी संख्या में लोगों के आने से अन्य यात्रियों को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। केदारनाथ में कई यात्रियों ने दम तोड़ा है। उत्तराखंड आपातकालीन ऑपरेशन सेंटर द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 3 मई को चार धाम यात्रा शुरू होने के बाद से अब तक 203 तीर्थयात्रियों की मौत हो चुकी है। मरने वालों की संख्या मुख्य रूप से हृदय गति रुकने और अन्य स्वास्थ्य बीमारियों के कारण है। 203 तीर्थयात्रियों में से केदारनाथ यात्रा मार्ग पर 97, बद्रीनाथ धाम में 51, गंगोत्री में 13 और यमुनोत्री में 42 तीर्थयात्रियों की मौत हुई। आंकड़ों के अनुसार, तीन मई से चार धामों के दर्शन करने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या 25 लाख को पार कर गई है। हालांकि, पिछले एक सप्ताह में पर्यटकों की संख्या में कमी आई है। इस साल चार धाम यात्रा पर आने वाले तीर्थयात्रियों की असामान्य भीड़ के साथ, उत्तराखंड सरकार ने पहले तीर्थयात्रियों के लिए एक सलाह जारी की थी और उन्हें हिमालय के मंदिरों की कठिन यात्रा शुरू करने से पहले खुद को चिकित्सकीय जांच कराने के लिए कहा था।

केंद्र ने तमिलनाडु को 2,600 करोड़ रुपये आवंटित किए: केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत तमिलनाडु के लिए स्वास्थ्य के लिए 2,600 करोड़ रुपये और राज्य में चिकित्सा बुनियादी ढांचे की उन्नति के लिए 404 करोड़ रुपये प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन योजना के तहत आवंटित किए हैं। मंडाविया तमिलनाडु और पुडुचेरी के दो दिवसीय दौरे पर हैं। इससे पहले रविवार को, उन्होंने चेन्नई में तमिलनाडु सरकार के मल्टी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का दौरा कर अस्पताल में स्थित रोबोटिक सर्जरी सुविधा और प्रारंभिक गर्भावस्था जांच केंद्र को देखा। उन्होंने अवादी में सीजीएचएस वेलनेस सेंटर और लैब की आधारशिला भी रखी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि तमिलनाडु सरकार का मल्टी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल 2 सर्जन कंसोल वाला एकमात्र केंद्र है और बाकी राज्यों से काफी आगे एमएमआर और आईएमआर के लिए निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए राज्य को बधाई दी। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत तमिलनाडु में 1.58 करोड़ परिवारों को कवर करते हुए 75 लाख लोगों ने लाभ उठाया है। यह कहते हुए कि दक्षिणी राज्य में कोविड टीकाकरण की स्थिति 11 करोड़ 26 लाख खुराक तक पहुंच गई है, जिसमें 94 प्रतिशत पहली खुराक और 82 प्रतिशत दूसरी खुराक है, मंत्री ने इसे एक सराहनीय उपलब्धि बताया।

अग्निवीर बनने के लिए वायुसेना को मिले 56 हजार से अधिक आवेदन

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना को अग्निपथ भर्ती योजना के तहत 56,960 आवेदन प्राप्त हुए हैं। योजना के लिए पंजीकरण प्रक्रिया इसके खिलाफ कई राज्यों में हिंसक विरोध प्रदर्शन के एक हफ्ते बाद शुक्रवार को शुरू हुई थी। वायुसेना ने रविवार को ट्वीट किया, ₹56960! यह अग्निपथ भर्ती आवेदन प्रक्रिया के जवाब में वेबसाइट पर भविष्य के अग्निपथ से अब तक प्राप्त आवेदनों की कुल संख्या है। पंजीकरण पांच जुलाई को बंद हो जाएगा।₹ 14 जून को अग्निपथ योजना पेश करते हुए, सरकार ने कहा था कि साढ़े 17 से 21 वर्ष की आयु के युवाओं को चार साल के कार्यकाल के लिए भर्ती किया जाएगा, जिनमें से 25 प्रतिशत को बाद में नियमित सेवा के लिए शामिल किया जाएगा। देश के कई हिस्सों में इस योजना के खिलाफ हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए थे। अब इतने सारे आवेदन मिलने पर सवाल उठ रहा है कि आखिर इसके विरोध का कितना असर हुआ। सरकार ने 16 जून को इस योजना के तहत भर्ती के लिए ऊपरी आयु सीमा को वर्ष 2022 के लिए 21 से बढ़ाकर 23 वर्ष कर दिया था। साथ ही बाद में उनकी सेवानिवृत्ति पर केंद्रीय अर्धसैनिक बलों और सार्वजनिक क्षेत्र के रक्षा उपक्रमों में उनके लिए वरीयता जैसे कई कदमों की घोषणा की थी। भाजपा शासित कई राज्यों ने भी घोषणा की कि अग्निवरों को राज्य पुलिस बलों में शामिल होने में प्राथमिकता दी जाएगी। सशस्त्र बलों ने हालांकि यह स्पष्ट कर दिया है कि नई भर्ती योजना के खिलाफ हिंसक विरोध प्रदर्शन और आगजनी करने वालों को भर्ती प्रक्रिया में शामिल नहीं किया जाएगा।

अगले तीन दिन तक मॉनसूनी बारिश के आसार गर्मी से परेशान लोगों को मिलेगी राहत

नई दिल्ली। गर्मी और उमस से बेहाल लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम विभाग ने अगले तीन दिन मॉनसूनी बारिश का पूर्वानुमान जारी कर दिया है। सूबे के दक्षिण पूर्वी हिस्से में ठिठके अटके मानसून को बंगाल की खाड़ी से उठ रही नम हवाओं का सहारा मिल चुका है। मौसम वैज्ञानिकों ने पूर्व में ही कहा था कि मॉनसून तब तक आगे नहीं बढ़ सकता जब तक कि इसको पर्याप्त मात्रा में नमी का सहारा नहीं मिलता। बंगाल की खाड़ी से नम हवाओं का झोंका मजबूत हुआ और उसने सूखी पछुआ हवाओं को पीछे धकेल दिया। अब सोमवार की शाम या रात से बारिश की उम्मीद बढ़ गई है। अभीसी स्थित मौसम केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक ने बताया कि अगले 48 घंटों के लिए मौसम के रुख की जानकारी मिली है। 27 को लखनऊ का अधिकांश हिस्सा सुबह शुष्क रहेगा लेकिन इसके बाद बादलों की आवाजाही शुरू होगी। यदि बारिश होती है तो चिनहट, गोमती नगर विस्तार, सरोजनीनगर, मोहनलालगंज की ओर ज्यादा होगी। 28 को पूरा शहर बादलों की छांव में रहने की उम्मीद है।

असम में बाढ़ की स्थिति में सुधार, पांच लोगों की मौत, 22 लाख लोग प्रभावित

गुवाहाटी (एजेंसी)।

असम में बाढ़ से पांच और लोगों की मौत हो गयी और 25 जिलों में 22 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं। हालांकि, रविवार को बाढ़ की स्थिति में सुधार हुआ है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के दैनिक बुलेटिन के अनुसार, रविवार को बारपेटा, कछार, दर्रांग, करीमगंज और मोरीगांव जिलों के विभिन्न स्थानों पर चार बच्चों समेत पांच लोग डूब गए।

इसके अलावा दो जिलों में दो लोग लापता हैं। राज्य में इस साल बाढ़ और भूस्खलनों में जान गंवाने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 126 हो गयी है। बुलेटिन के अनुसार, बालाजी, बक्सा, बारपेटा, कछार, चिरांग, दर्रांग, धेमाजी, धुबरी, डिब्रूगढ़, गोलपाड़ा, गोलाघाट, हैलाकांडी, नलबाड़ी, सोनितपुर, दक्षिण सलमारा, तमुलपुर और उदलगुड़ी जिलों में बाढ़ के कारण 22,21,500 से अधिक लोग प्रभावित हैं। बारपेटा में सबसे ज्यादा करीब सात लाख लोग प्रभावित हैं। इसके बाद नगांव में 5.13 लाख और कछार में 2.77 लाख लोग प्रभावित हैं। कछार, डिब्रूगढ़ और मोरीगांव जिलों में कई स्थान भी बाढ़ से प्रभावित हैं। शनिवार तक 24 जिलों में 25 लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने रविवार को बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित कछार जिले के सिलचर और कामरूप के हाजो का दौरा किया। उन्होंने राहत एवं बचाव अभियानों में लगी एजेंसियों को अपनी पहुंच बढ़ाने और जल्द से जल्द मदद पहुंचाने के निर्देश दिए। सिलचर शहर के एक सप्ताह से जलमग्न रहने के कारण सरमा ने माना कि प्रशासन अभी तक सभी लोगों तक नहीं पहुंच पाया है। उन्होंने कहा, ''हम इससे इनकार नहीं कर रहे हैं।'' उन्होंने लोगों से इस मुश्किल वक्त में एक-दूसरे के साथ खड़े रहने की अपील की और सिलचर में परोपकारी गतिविधियों की सराहना की। सरमा ने कहा कि ''प्रशासन का करीब 50 फीसदी काम'' परोपकारी संगठन और लोग कर रहे हैं। एएसडीएमए ने कहा कि अभी 2,542 गांव जलमग्न हैं और 74,706.77 एकड़ कृषि योग्य जमीन को नुकसान पहुंचा है। उसने कहा कि प्राधिकार 23 जिलों में 680 राहत शिविर और वितरण केंद्र चला रहा हैं, जहां 2,17,413 लोगों ने शरण ले रखी है। बुलेटिन में कहा गया है कि सेना, अर्द्धसैन्य बल, एनडीआरएफ, नागरिक प्रशासन, प्रशिक्षित स्वयंसेवक, दमकल और आपात सेवा के कर्मियों और स्थानीय लोगों ने पिछले 24 घंटे में राज्य के विभिन्न बाढ़ग्रस्त इलाकों से 1,912 लोगों को बचाया है। केंद्रीय जल आयोग के एक बुलेटिन का हवाला देते हुए एएसडीएमए ने कहा कि धरमतुल में कोपिली नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है।

संजय राउत को ईडी का समन, 28 जून को पूछताछ के लिए बुलाया

मुंबई। महाराष्ट्र के सियासी घमासान में जहां उद्धव गुट की शिवसेना और एकनाथ शिंदे की बागी ब्रिगेड के बीच घमासान छिड़ा हुआ है। बयानों के तीर भी जारी हैं। शिवसेना की तरफ से जहां संजय राउत के जुबानी हमले काफी तीखे और आक्रमक नजर आ रहे हैं। वहीं अब शिवसेना नेता राउत की परेशानी बढ़ सकती है। शिवसेना नेता संजय राउत

को प्रवर्तन निदेशालय ने समन भेजा है। राउत को ईडी ने कल पेश होने के लिए कहा है। प्रवीण राउत और पात्रा चॉल भूमि घोटाला मामले में शिवसेना सांसद को ईडी ने कल तलब किया है। संजय राउत को ईडी के समन पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि ईडी बीजेपी के परम भक्ति का उदाहरण पेश कर रही है। प्रियंका चतुर्वेदी ने ट्वीट करते हुए कहा कि भाजपा से परम भक्ति का सबसे बड़ा उधारण पेश करती हुई ईडी डिपार्टमेंट। वहीं टीएमसी की तरफ से कहा गया कि विपक्ष को ईडी निशाना बना रही है। बता दें कि इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय ने अप्रैल महीने में शिवसेना के नेता संजय राउत के खिलाफ पात्रा चावल भूमि घोटाला मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए1,034 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की थी। जानकारी के अनुसार इस कार्रवाई के तहत जांच एजेंसी ने राउत के अलीबाग प्लॉट और दादर में एक फ्लैट को कुर्क किया था।

300 यूनिट बिजली मुफ्त, स्कूली शिक्षा पर 17 प्रतिशत अधिक खर्च मान सरकार के पहले बजट का डिटेल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने सोमवार को राज्य विधानसभा में वित्त वर्ष 2022-23 के लिए बजट पेश किया। उन्होंने कहा कि बजट में एक जुलाई से प्रत्येक घर को 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने के लिए प्रावधान किए गए हैं। साथ ही किसानों के लिए दी जाने वाली बिजली सब्सिडी जारी रखेगी। बजट में सरकार ने मुफ्त बिजली के लिए 6,947 करोड़ का प्रावधान किया है। इस साल मार्च में आम आदमी पार्टी (आप) के सत्ता में आने के बाद भगवंत मान सरकार का यह पहला बजट है। मान सरकार ने शिक्षा के बजट में बढ़ोतरी की है। स्कूल शिक्षा बजट में पिछले साल के मुकाबले करीब 17 प्रतिशत का इजाफा हुआ है, जबकि? तकनीकी शिक्षा बजट में 48 प्रतिशत और मेडिकल शिक्षा बजट में 57त्न का इजाफा कि?या गया है। शिक्षा बजट में सरकारी स्कूल बिल्डिंग के हाल सुधारने, सभी स्कूलों की बाउंड्री बॉल बनवाने की घोषणा हुई है। साथ ही टीचर्स की देश विदेश में विश्वस्तरीय ट्रेनिंग, साफ-सफाई की व्यवस्था, डिजिटल क्लासरूम, बच्चों को नौकरी मांगने वाला नहीं बल्कि नौकरी देने वाला बनाने की शिक्षा योजना का ऐलान हुआ है। शहीदों के परिजनों को 50 लाख के बजाय एक करोड़ देने के लिए 130 करोड़ का बजट बनाया गया है। बीते साल के मुकाबले बजट में 11 फीसदी इजाफा हुआ है। वहीं, पुलिस बलों के आधुनिकीकरण के लिए 108 करोड़ रखे गए हैं। सभी जिलों में साइबर क्राइम सेल बनाने को 30 करोड़ का बजट बनाया गया है। पंजाब सरकार दिल्ली की तर्ज पर डोर स्टेप सर्विसेज शुरू करेगी। साथ ही जन जन तक मुख्यमंत्री की पहुंच हो सके, इसके लिए राज्य के प्रत्येक जिले में मुख्यमंत्री आफिस खोला जाएगा। वहीं, पराली प्रबंधन के लिए 200 करोड़ रुपये रखे गए हैं। किसानों को पराली न जलानी पड़े, इस फंड से इसके लिए काम किए जाएंगे। जंगली जानवरों के लिए भी योजना शुरू होगी। इसके तहत राज्य के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र को 50 हजार रुपये दिए जाएंगे। चीमा ने कहा कि आप सरकार सुशासन का एक मॉडल स्थापित करेगी। उन्होंने कहा, ÷हमारी सरकार भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं करेगी। हमारी पार्टी का जन्म भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से शुरू हुआ है। सरकारी पोर्टल और ई-मेल के माध्यम से 20,384 सुझाव मिलने के बाद बजट तैयार किया गया है और इसमें स्वास्थ्य और शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों पर खासतौर से ध्यान दिया गया है।

जर्मनी में मोदी को 2014 तक की भारत की उपलब्धियों को स्वीकार करना चाहिए था: चिदंबरम

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने जर्मनी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई टिप्पणी को लेकर सोमवार को उन पर निशाना साधते हुए कहा कि मोदी को उन उपलब्धियों को स्वीकार करना चाहिए था जो भारत ने 2014 तक हासिल की थीं। पूर्व वित्त मंत्री ने यह दावा भी किया कि नरेंद्र मोदी सरकार अपनी पूर्ववर्ती सरकारों के कार्यों को ही आगे बढ़ा रही है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि पिछले 75 वर्षों में भारत ने जो हासिल किया, वह बहुत ही शानदार है, लेकिन लोगों तक आवश्यक सेवाओं को पहुंचाना एक सतत कार्य है। चिदंबरम ने कहा, ''प्रधानमंत्री को स्वीकार करना चाहिए था कि 2014 तक बहुत सारी उपलब्धियां हासिल हुईं और उनकी सरकार सिर्फ पूर्ववर्ती सरकारों के कार्यों को आगे लेकर जा रही है।'' प्रधानमंत्रीने रविवार को जर्मनी में कहा था कि 1975 में लगाया गया आपातकाल भारत के जीवंत लोकतंत्र पर एक ''काला धब्बा'' है। उन्होंने अपनी सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए यह भी कहा था कि अब भारत का हर गांव खुले में शौच से मुक्त है, बिजली उपलब्ध है और 99 प्रतिशत गांवों में खाना पकाने के लिये स्वच्छ ईंधन है। उन्होंने कहा कि भारत पिछले दो साल से 80 करोड़ गरीब लोगों को मुफ्त राशन मुहैया करा रहा है।

राजनाथ सिंह ने मलेशियाई समकक्ष के साथ द्विपक्षीय रक्षा संबंधों पर बातचीत की

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को अपने मलेशियाई समकक्ष हिशामुद्दीन बिन हुसैन से बातचीत की तथा दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को और आगे बढ़ाने के अवसरों पर विचार-विमर्श किया। सिंह ने ट्वीट किया, मलेशिया के वरिष्ठ रक्षा मंत्री हिशामुद्दीन बिन हुसैन के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए बेहतरीन बातचीत हुई।

उन्होंने भारत और मलेशिया के बीच मजबूत रक्षा संबंधों की पुष्टि की तथा दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को और आगे बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा की। दोनों नेताओं के बीच यह बातचीत डिजिटल माध्यम से हुई। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने 17 जून को अपने मलेशियाई समकक्ष सैफुद्दीन अब्दुल्ला के साथ द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के संबंध में चर्चा की थी।

अगरतला में कांग्रेस नेताओं पर हमला करने वालों को न्याय के कठघरे में लाया जाए: राहुल गांधी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस ने रविवार को आरोप लगाया कि अगरतला उपचुनाव में पार्टी की जीत के बाद उसके नेताओं और कार्यकर्ताओं पर 'भाजपा के गुंडों' ने हमला किया। कांग्रेस ने मांग की है कि दोषियों को न्याय के कठघरे में लाया जाना चाहिए और भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा को इसके लिए माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस ने यह भी कहा कि अगर त्रिपुरा सरकार कानून और व्यवस्था को संभालने में असमर्थ है, तो राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाना ''जरूरी'' होगा।

विपक्षी दल ने कहा कि अधीर रंजन चौधरी, गौरव गोगोई और नासिर हुसैन का तीन सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल स्थिति का जायजा लेने और इस ''जघन्य हमले'' पर रिपोर्ट तैयार करने के लिए सोमवार को त्रिपुरा का दौरा करेगा। राज्य की चार विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव के नतीजे आने के बाद अगरतला में कांग्रेस भवन के सामने कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के समर्थकों के बीच हुई झड़प में त्रिपुरा प्रदेश कांग्रेस प्रमुख बिरजीत सिन्हा समेत कम से कम 19 लोग घायल हो गए। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। उपचुनाव में भाजपा को तीन और कांग्रेस को एक सीट मिली है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ट्वीट किया, ''अगरतला उपचुनाव में कांग्रेस की जीत के बाद भाजपा के गुंडों द्वारा हमारे नेताओं और कार्यकर्ताओं पर किए गए हमले की मैं कड़ी निंदा करता हूं।'' कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, ''लोग हमारे साथ हैं। शर्मनाक है कि पुलिस हमले को रोकने के बजाय मूकदर्शक बनी रही। भाजपा के इन गुंडों को न्याय के कठघरे में लाया जाना चाहिए।'' कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने ट्वीट किया, ''कांग्रेस के करोड़ों कार्यकर्ता व नेता त्रिपुरा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं व नेताओं के साथ चट्टान की तरह खड़े होकर भाजपा की हिंसा का सामना करेंगे। भाजपा चाहे जितना भी हिंसक हथकंडे अपनाए, लोकतंत्र के मैदान में इन हिंसक हथकंडों की हार निश्चित है। कांग्रेस के महासचिव (संगठन) के सी वेणुगोपाल ने एक बयान में कहा कि पार्टी अगरतला उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार सुदीप रॉय बर्मन की जीत के बाद कांग्रेस भवन पर ''हमले'' और ''भाजपा के गुंडों'' द्वारा त्रिपुरा पीसीसी अध्यक्ष पर क्रूर हमले की कड़ी निंदा करती है। वेणुगोपाल ने कहा, ''प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रमुख को चोटें आईं और हमले के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।'' उन्होंने कहा, ''हम भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा से माफी और (केंद्रीय) गृह मंत्री अमित शाह से जांच कराने की मांग करते हैं कि ये हमले क्यों हुए। यदि राज्य सरकार कानून-व्यवस्था को संभालने में असमर्थ है, तो राष्ट्रपति शासन लगाना जरूरी होगा।''

प्रधानमंत्री मोदी और अर्जेंटीना के राष्ट्रपति फर्नांडीज ने द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की

यूनिख। (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को यहां जी-7 शिखर सम्मेलन से इतर अर्जेंटीना के राष्ट्रपति अल्बर्टो फर्नांडीज के साथ एक सार्थक बैठक की और द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की। बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने व्यापार तथा निवेश, रक्षा सहयोग, कृषि, जलवायु कार्रवाई और खाद्य सुरक्षा जैसे विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। यह दोनों नेताओं के बीच पहली द्विपक्षीय मुलाकात थी। दोनों नेताओं ने 2019 में स्थापित द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को लागू करने में प्रगति की समीक्षा की।

मोदी जी-7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए रविवार को जर्मनी के दो दिवसीय दौरे पर यहां पहुंचे। वह शक्तिशाली समूह और उसके सहयोगी देशों के नेताओं के साथ ऊर्जा, खाद्य सुरक्षा, आतंकवाद रोधी, पर्यावरण और लोकतंत्र जैसे मुद्दों पर चर्चा करेंगे। मोदी ने ट्वीट किया, म्यूनिख में राष्ट्रपति अल्बर्टो फर्नांडीज के साथ सार्थक बैठक के दौरान भारत-अर्जेंटीना के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों की समीक्षा की गई। हमारे देशों के बीच मजबूत सहयोग से हमारे लोगों को बहुत फायदा होगा।'' प्रधानमंत्री कार्यालय ने मोदी की दो देशों की यात्रा के दौरान पहली द्विपक्षीय बैठक पर एक ट्वीट में कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने म्यूनिख में राष्ट्रपति अल्बर्टो फर्नांडीज के साथ बातचीत की। दोनों नेताओं ने भारत और अर्जेंटीना के बीच वाणिज्यिक और सांस्कृतिक संबंधों को प्रगाढ़ बनाने के तरीकों पर चर्चा की।''

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने एक ट्वीट में कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी ने अर्जेंटीना के राष्ट्रपति अल्बर्टो फर्नांडीज से मुलाकात की जो उनकी पहली द्विपक्षीय बैठक थी। व्यापार एवं निवेश, जलवायु कार्रवाई, दक्षिण-दक्षिण सहयोग,पारंपरिक चिकित्सा, कृषि जैसे विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।''

मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि व्यापार एवं निवेश, दक्षिण-दक्षिण सहयोग, विशेष रूप से फार्मास्युटिकल क्षेत्र में, जलवायु कार्रवाई, अक्षय ऊर्जा, परमाणु चिकित्सा, विद्युत गतिशीलता, रक्षा सहयोग, कृषि और खाद्य सुरक्षा, पारंपरिक चिकित्सा, सांस्कृतिक सहयोग, साथ ही अंतरराष्ट्रीय निकायों में समन्वय सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। उसने कहा कि दोनों पक्ष इन क्षेत्रों में अपने द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने पर सहमत हुए। भारत के अलावा जी7 शिखर सम्मेलन के मेजबान जर्मनी ने अर्जेंटीना, इंडोनेशिया, सेनेगल और दक्षिण अफ्रीका को वैश्विक लोकतंत्रों को अपने भागीदारों के रूप में मान्यता देने के लिए अतिथि के रूप में आमंत्रित किया है। भारत-अर्जेंटीना संबंधों को 2019 में रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ा दिया गया था। दोनों देशों के बीच बहुआयामी संबंध पिछले कुछ वर्षों में मजबूत हुए हैं और इसमें राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और वैज्ञानिक एवं तकनीकी सहयोग शामिल है। अर्जेंटीना में भारतीय मूल के लगभग 2,600 लोग रहते हैं, जिनमें भारतीय कंपनियों और बहुराष्ट्रीय निगमों के साथ काम करने वाले पेशेवर शामिल हैं। मोदी 28 जून को जर्मनी से संयुक्त अरब अमीरात जाएंगे।

पाकिस्तान में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़, दो सैनिकों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उत्तर पश्चिमी अशांत कबायली इलाके में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ में कम से कम दो सैनिकों और सात आतंकवादियों की मौत हो गई है। फौज की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, मुठभेड़ रविवार को उत्तर वज़ीरिस्तान के गुलाम खान कस्बे इलाके में हुई। सेना ने कहा कि सैनिकों ने सात आतंकवादियों को ढेर कर दिया और उनके पास से हथियार एवं गोला बारूद बरामद किया गया है। वे सुरक्षा बलों के खिलाफ कई आतंकी हमलों को अंजाम देने में शामिल रहे हैं। सुरक्षा बल आसपास के इलाके में खोज अभियान चला रहे हैं, ताकि अगर कोई आतंकी हो तो उसे खत्म किया जा सके। आतंकवादियों की पहचान और वे किस आतंकी समूह से जुड़े थे, यह फिलहाल पता नहीं चल सका है। हालांकि, प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) इलाके में सुरक्षा बलों पर हमले करता रहा है, लेकिन इस महीने के शुरू में टीटीपी ने संघर्ष विराम का ऐलान किया था, क्योंकि उसकी पाकिस्तानी सरकार के साथ बातचीत चल रही है। अफगान तालिबान इस वार्ता में मध्यस्थता करा रहा है।

अमेरिका: घर के बाहर 31 साल के भारतीय के सिर पर मारी गोली, मौके पर हुई मौत

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क में अपने घर के बाहर पार्किंग में खड़े वाहन में बैठे भारतीय मूल के 31 वर्षीय युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। न्यूयॉर्क के पुलिस विभाग के हवाले से प्रकाशित एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। यह घटना मैरीलैंड में एक भारतीय नागरिक की, सिर में गोली मारकर हत्या किए जाने के कुछ दिन बाद सामने आई है। 'न्यूयॉर्क पोस्ट' में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक, सतनाम सिंह शनिवार दोपहर करीब 3.46 बजे क्वींस के साउथ ओजोन पार्क में खड़ी कार में घायल अवस्था में मिले। उनकी गर्दन और धड़ में गोली लगने के निशान थे। रिपोर्ट के अनुसार, सिंह एक दोस्त से ली गई काली रैंगलर सहारा जीप में बैठे हुए थे, तभी हमलावर उनके पास आया और गोलियां बरसाने लगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि सिंह को फौरन पास के जमाइका अस्पताल से जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हालांकि, पुलिस ने बताया कि हमलावर सिंह के पास पैदल ही पहुंचा था। लेकिन, पड़ोसियों की मानें तो वह सिल्वर रंग की एक सिडान में सवार था और सिंह की जीप के पास से गुजरते समय उन पर गोलियां चलाईं। पड़ोसी जोआन कैपेलानी ने कहा, 'सिंह 129वीं स्ट्रीट पर चलकर पार्किंग में खड़ी जीप की तरफ जा रहे थे, तभी सिडान सवार हमलावर वहां से गुजरा।' उन्होंने कहा, 'हमलावर ने यू-टर्न लिया, वापस आया, गोलियां बरसाईं और फिर 129वीं स्ट्रीट से चला गया।' कैपेलानी के मुताबिक, गोलीबारी की यह घटना उसके घर में लगे सुरक्षा कैमरों में रिकॉर्ड हो गई थी, जिसकी न्यूयॉर्क पुलिस विभाग के कर्मी जांच कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, जासूस यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या सिंह ही हमलावर के निशाने पर थे या फिर हमलावर कार के मालिक की हत्या करना चाहता था और इस बात से अनजान था कि वाहन के अंदर कौन बैठा है। रिपोर्ट के अनुसार, घटना के सिलसिले में फिलहाल कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। यह घटना तेलंगाना (भारत) के रहने वाले साईं चरण नामक व्यक्ति के मैरीलैंड के बाल्टीमोर में अपनी एसयूवी के अंदर गोली से जख्मी पाए जाने के कुछ दिन बाद सामने आई है। 25 वर्षीय चरण को तुरंत ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया था, जहां 19 जून को उनकी मौत हो गई।

फ्रांस में हो रही बिजली की किल्लत, लोगों से की जी रही यह अपील

पेरिस। फ्रांस की तीन ऊर्जा कंपनियों ने रूस से आपूर्ति बंद होने और यूक्रेन में युद्ध के मद्देनजर रविवार को फ्रांस की जनता से तत्काल ईंधन, तेल, बिजली और गैस की खपत कम करने की अपील की है। तीन कंपनियों टोटल एनर्जीज, ईडीएफ और एंजी के नेताओं ने एक संयुक्त बयान में कहा है, ''ये प्रयास निश्चित रूप से सामूहिक और व्यापक स्तर पर होने चाहिए।'' यह बयान फ्रेंच साप्ताहिक पत्रिका 'दू दिमान्शे' में प्रकाशित हुआ है। रूस ने यूक्रेन पर 24 फरवरी को हमला शुरू करने के बाद 27 देशों के समूह द्वारा उस पर प्रतिबंध लगाए जाने के जवाब में कई यूरोपीय देशों को गैस आपूर्ति बंद कर दी है। यूरोप की ऊर्जा प्रणाली कुछ महीनों से गंभीर तनाव में है। उपमहाद्वीप में गैस भंडार को लेकर सतर्कता बढ़ गयी है और आपूर्ति में कटौती की जा रही है। अन्य यूरोपीय देशों की तरह फ्रांस भी सर्दियों के लिए अपने गैस भंडार को तैयार रखने का प्रयास कर रहा है। फ्रांस का उद्देश्य सर्दियों से पहले भंडार को तैयार कर लेना है ताकि आर्थिक और राजनीतिक संकट से बचा जा सके। ऊर्जा कंपनियों के नेताओं ने कहा, ''गर्मियों में आज की कार्रवाई हमें सर्दियों के लिए पहले से तैयार रखेगी।'' यूक्रेन में युद्ध की वजह से गैस आपूर्ति की कमी के कारण यूरोप में बिजली उत्पादन बढ़ाने और सूखे की आशंका को देखते हुए पनबिजली उत्पादन में कमी करने का दबाव है।

बेरहम मां, 3 साल के बच्चे की हत्या कर शव के साथ किया ये काम....

डेट्रॉयट (अमेरिका)। अमेरिका के डेट्रॉयट में एक महिला के खिलाफ उसके तीन साल के बेटे की मौत के मामले में आरोप तय किए गए हैं। पुलिस को बच्चे का शव एक 'फ्रीजर' से बरामद हुआ था। 'डेट्रॉयट न्यूज़' की खबर के अनुसार, वेन काउंटी के अभियोजक किम वर्थी ने रविवार को बताया कि 31 वर्षीय महिला पर हत्या, बाल उत्पीड़न, प्रताड़ना और मौत को छिपाने के आरोप लगाए गए हैं। उसे रविवार को जेल भेज दिया गया। वर्थी ने कहा, ''हमारे बच्चों पर न केवल बंदूकों का खतरा मंडरा रहा है, बल्कि वे अपने ही घर में रहने वाले कथित हत्यारों की वजह से भी सुरक्षित नहीं हैं।'' पुलिस प्रमुख जेम्स व्हाइट ने बताया कि डेट्रॉयट के पुलिस अधिकारी और 'चाइल्ड प्रोटेक्टिव सर्विसेज' के सदस्य शुक्रवार तड़के घर पर एक नियमित जांच के लिए गए थे, जब उन्हें बच्चे का शव बरामद हुआ। अभी तत्काल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि बच्चे की मौत कब और कैसी हुई तथाउसका शव कब से 'फ्रीजर' में था। व्हाइट के मुताबिक, घर पर पांच और बच्चे भी थे, जिन्हें 'चाइल्ड प्रोटेक्टिव सर्विसेज' के हवाले कर दिया गया है। महिला के खिलाफ तय आरोपों पर आठ जुलाई को सुनवाई होगी।

रूस से रियायती तेल खरीदने के विकल्प तलाश रहा है श्रीलंका: मंत्री

कोलंबो। आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका के एक वरिष्ठ मंत्री ने रविवार को कहा कि उनका देश रूस से रियायती दर पर तेल खरीदने के विकल्प तलाश रहा है। इस बीच श्रीलंका में दो महीने में तीसरी बार पेट्रोल एवं डीजल के दाम बढ़ा दिए गए हैं। विदेशी मुद्रा भंडार की भारी कमी के कारण ईंधन की भारी किल्लत का सामना कर रहे श्रीलंका के बिजली एवं ऊर्जा मंत्री कंचन विजयशेखरा ने कहा कि सरकार रूस से तेल खरीदने के विकल्प तलाश रही है। इसके लिए श्रीलंका राजनयिक माध्यमों की तलाश कर रहा है। उन्होंने ईंधन लेकर आने वाले जहाज के आने में देरी पर पत्रकारों से कहा, ''श्रीलंका आने वाला पिछला जहाज एक रूसी जहाज था। हमारे पहले ऋण पत्र को अंतरराष्ट्रीय बैंकों ने इसलिए खारिज कर दिया, क्योंकि उस जहाज का स्वामित्व एक रूसी कंपनी के पास था।'' उन्होंने कहा कि दो मंत्री ईंधन और अन्य राजनयिक मामलों पर चर्चा करने के लिए सोमवार को रूस की यात्रा पर जाने वाले हैं। श्रीलंका सरकार ने पिछले हफ्ते कच्चे तेल की खरीद के लिए रूसी दूतावास द्वारा सुझाई गई कई कंपनियों से संपर्क साधा था। इस बीच श्रीलंका में पेट्रोल की कीमत में 50 श्रीलंकाई रुपये और डीजल की कीमतों में 60 श्रीलंकाई रुपये की बढ़ोतरी की गई है। पिछले दो महीनों में तीसरी बार ईंधन की कीमतें बढ़ाई गई हैं। सार्वजनिक क्षेत्र के ईंधन विक्रेता सीलोन पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (सीपीसी) ने कहा कि कीमतों में बढ़ोतरी रविवार रात दो बजे से लागू हो गई है। लंका आईओसी ने भी इसी अनुपात में कीमतों में बढ़ोतरी की है। इस बढ़ोतरी के साथ पेट्रोल की कीमत 470 श्रीलंकाई रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 460 श्रीलंकाई रुपये प्रति लीटर हो गई है।

काठमांडू घाटी में गोलगप्पे बेचने पर रोक, हैजे के मामले बढ़े

काठमांडू। काठमांडू घाटी के ललितपुर महानगर शहर में पानी पूरी(गोलगप्पे) की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया गया है क्योंकि घाटी में 12 लोगों के संक्रमित पाए जाने के साथ ही हैजे के मामले बढ़ गए हैं। ललितपुर मेट्रोपोलिटन सिटी (एलएमसी) ने शनिवार को महानगर में पानी पूरी की बिक्री और वितरण पर रोक लगाने का फैसला लिया। उसने दावा किया कि पानी पूरी में इस्तेमाल किए जाने वाले पानी में हैजे का बैक्टीरिया पाया गया है। म्युनिसिपल पुलिस प्रमुख सीताराम हाचेथु ने कहा कि महानगर ने भीड़भाड़ वाले इलाकों और कॉरिडोर इलाके में पानी पूरी की बिक्री रोकने के लिए आंतरिक तैयारियां की है। उन्होंने कहा कि घाटी में हैजे के फैलने का खतरा बढ़ गया है। स्वास्थ्य एवं जनसंख्या मंत्रालय के अनुसार, काठमांडू घाटी में सात और लोगों के हैजे से संक्रमित पाए जाने के साथ ही घाटी में इसके मरीजों की कुल संख्या 12 हो गयी है।

जर्मनी में जी सात देशों के सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि सभी को रुस का विरोध करने एकजुट रहना होगा।

मंकीपॉक्स को 'इस स्तर पर' वैश्विक आपातकाल घोषित करने की जरूरत नहीं: डब्ल्यूएचओ समिति

लंदन। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा है कि 50 से अधिक देशों में मंकीपॉक्स के बढ़ते प्रकोप पर करीबी नजर रखी जानी चाहिए, लेकिन फिलहाल इसे वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल की स्थिति घोषित करने की आवश्यकता नहीं है। डब्ल्यूएचओ की आपातकालीन समिति ने शनिवार को एक बयान जारी कर कहा कि प्रकोप के कई पहलू 'असामान्य' थे और माना कि मंकीपॉक्स के खतरों पर वर्षों से गौर नहीं किया गया है। हालांकि, समिति ने कहा कि मंकीपॉक्स कुछ अफ्रीकी देशों में अब महामारी नहीं रह गया है। बयान के मुताबिक, 'कुछ सदस्यों ने अलग-अलग विचार व्यक्त किए हैं। हालांकि, समिति ने डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक को सर्वसम्मति से यह सुझाव देने का निर्णय लिया है कि मंकीपॉक्स को इस स्तर पर 'वैश्विक आपातकाल की स्थिति' नहीं घोषित करना चाहिए।' हालांकि, डब्ल्यूएचओ ने प्रकोप की 'आपातकालीन प्रकृति'' की तरफ इशारा किया है और कहा है कि इसके प्रसार को नियंत्रित करने के लिए ''तेजी से कदम उठाने'' की जरूरत है। समिति ने कहा कि प्रकोप पर 'करीबी नजर रखने और कुछ हफ्तों के बाद स्थिति की समीक्षा किए जाने की आवश्यकता है।'' उसने यह भी कहा अगर कुछ नए घटनाक्रम सामने आते हैं- जैसे कि यौनकर्मियों के बीच प्रसार, अन्य देशों में या उन देशों में संक्रमण का फैलना, जहां पहले से ही मंकीपॉक्स के मामले हैं, मामलों की गंभीरता में वृद्धि या प्रसार की बढ़ती दर तो वह फिर से स्थिति का मूल्यांकन करने की सिफारिश करेगी।

हमें एकजुट रहना होगा: यूक्रेन के खिलाफ गठबंधन पर बाइडन ने कहा

एलमौ (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने रूस का मुकाबला करने वाले वैश्विक गठबंधन की एकता की रविवार को प्रशंसा की। बाइडन और जी-7 समूह के अन्य नेताओं ने यूक्रेन पर रूसी आक्रमण को लेकर रूस को अलग-थलग करने के लिए दबाव बनाए रखने की रणनीति पर चर्चा की।

बाइडन और उनके समकक्ष नेता ने ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित करने और मुद्रास्फीति से निपटने के तरीके पर चर्चा करने के लिए बैठक कर रहे हैं, जिसका उद्देश्य मॉस्को को दंडित करने के लिए काम कर रहे वैश्विक गठबंधन को युद्ध के परिणामों से बचाना है। विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के समूह जी-7 देश रूस से सोने के आयात पर नये प्रतिबंधों की घोषणा करने की तैयारी में हैं। यह यूक्रेन पर आक्रमण को लेकर रूस को आर्थिक रूप से अलग-थलग करने के लिए प्रतिबंधों की एक श्रृंखला में नवीनतम है। जी-7 समूह के नेता एक नयी वैश्विक बुनियादी ढांचा साझेदारी के लिए भी एकजुट हो रहे हैं ताकि विकासशील देशों में रूसी और चीनी निवेश का विकल्प प्रदान किया जा सके। जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज के साथ शिखर सम्मेलन से पहले की एक बैठक के दौरान बाइडन ने कहा, ''हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम सभी एक साथ रहें। स्कोल्ज वर्तमान में जी-7 के अध्यक्ष हैं और इस शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''आप जानते हैं, हम उन आर्थिक चुनौतियों से निपटने पर काम कर रहे हैं जिनका हम सामना कर रहे हैं लेकिन मुझे लगता है कि हम इन सबसे पार पा लेंगे।'' स्कोल्ज़ ने कहा कि ''अच्छा संदेश'' यह है कि ''हम सभी ने इसे एकजुट रहने के लिए बनाया है, जिसकी पुतिन ने कभी उम्मीद नहीं की थी।'' बाइडन ने कहा, ''हमें एकसाथ रहना होगा, क्योंकि पुतिन को शुरू से ही यह उम्मीद है कि किसी तरह नाटो और जी -7 में फूट पड़ जाएगी लेकिन वह नहीं हुआ और हम यह नहीं होने देंगे।'' इस शिखर सम्मेलन की औपचारिक शुरुआत से कुछ घंटे पहले, रूस ने रविवार को यूक्रेन की राजधानी के खिलाफ मिसाइल हमले शुरू किए और कम से कम दो आवासीय भवनों पर हमला किया। बाइडन ने रूस की कार्रवाइयों की निंदा की और इसे ''बर्बरता'' करार दिया। अन्य नेताओं ने गठबंधन की एकता की बाइडन द्वारा प्रशंसा किये जाने का स्वागत किया।

रूस के खिलाफ जी-7 देशों का सख्त फैसला, रूसी सामानों पर बढ़ाया जाएगा शुल्क

एलमौ (जर्मनी)। (एजेंसी)।

सात आर्थिक शक्तियों के समूह जी-7 ने रूस पर सख्त रुख अपनाने का फैसला किया है। एक अमेरिकी अधिकारी ने सोमवार को कहा कि मास्को की ऊर्जा कमाई पर अंकुश लगाने के मकसद से रूसी तेल पर कीमत की सीमा को आगे बढ़ाने के लिए जी-7 देश एक समझौते की घोषणा करने वाले हैं। यह कदम यूक्रेन का समर्थन करने के एक संयुक्त प्रयास का हिस्सा है, जिसमें रूसी सामानों पर शुल्क बढ़ाना और युद्ध का समर्थन करने वाले सैकड़ों रूसी अधिकारियों और संस्थाओं पर नए प्रतिबंध लगाना शामिल है।

जर्मनी के आल्प्स में अपने तीन दिवसीय शिखर सम्मेलन के दौरान जी-7 नेता मूल्य सीमा के समझौते को अंतिम रूप दे रहे हैं। मूल्य सीमा कैसे काम करेगी और साथ ही रूसी अर्थव्यवस्था पर इसका क्या प्रभाव होगा, इस बारे में जी-7 के वित्त मंत्रियों को आने वाले वक्त में विचार करना है। दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक अर्थव्यवस्थाएं अपने देशों में रूसी आयात पर शुल्क बढ़ाने का फैसला भी करेंगी। अमेरिका ने 570 श्रेणियों के सामानों पर नए टैरिफ की घोषणा की है।

भारत ने प्रतिबंध के बाद कई देशों को 18 लाख टन गेहूं निर्यात किया: खाद्य सचिव

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

गत 13 मई को गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद भारत ने बांग्लादेश और अफगानिस्तान सहित करीब एक दर्जन देशों को 18 लाख टन खाद्यान्न का निर्यात किया है। केंद्रीय खाद्य सचिव सुधांशु पांडेय ने यह जानकारी देते हुए कहा है कि 50,000 टन निर्यात की प्रतिबद्धता के तहत अफगानिस्तान को मानवीय सहायता के रूप में लगभग 33,000 टन गेहूं की आपूर्ति की जा चुकी है। पांडेय ने गत शुक्रवार को जर्मनी के बर्लिन में 'वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए एकता' पर आयोजित एक मंत्रिस्तरीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारत ने हमेशा दुनिया की जरूरतों को ध्यान में रखा है। यहां जारी एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, पांडेय ने कहा कि भारत ने अपनी 1.38 अरब आबादी की खाद्य जरूरतों को पूरा करने के साथ ऐसा किया है। सचिव ने कहा, ''यहां यह बताना महत्वपूर्ण है कि भारत सरकार द्वारा हाल ही में गेहूं के निर्यात को नियमित करने का फैसला घरेलू उपलब्धता के साथ ही कमजोर देशों में उपलब्धता की रक्षा के लिए लिया गया था, जिनकी आपूर्ति बाजार की ताकतों द्वारा सुनिश्चित नहीं की जा सकती।'' उन्होंने कहा कि भारत ने सरकार-से-सरकार व्यवस्था के जरिए पड़ोसी देशों और खाद्यान्न की कमी वाले देशों की वास्तविक जरूरतों को पूरा करने की अपनी प्रतिबद्धता को कायम रखा है। इसके अलावा पहले से की गई आपूर्ति प्रतिबद्धताओं को भी पूरा किया गया। उन्होंने बताया कि विनियमन के बाद चालू वित्त वर्ष में 22 जून तक 18 लाख टन गेहूं का निर्यात अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, इजराइल, इंडोनेशिया, मलेशिया, नेपाल, ओमान, फिलीपींस, कतर, दक्षिण कोरिया, श्रीलंका, सूडान, स्विट्जरलैंड, थाईलैंड, यूएई, वियतनाम और यमन सहित विभिन्न देशों को किया गया।

बगावत के बीच जॉनसन ने अगला चुनाव जीतने की राह पर होने का दावा किया

लंदन (एजेंसी)।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने रविवार को इस दावे के साथ कंजरवेटिव पार्टी के कई सहयोगियों को नाराज कर दिया कि वह अगले आम चुनाव में सत्ताधारी पार्टी का नेतृत्व करने के लिए सही रास्ते पर हैं। वहीं, दो महत्वपूर्ण उपचुनावों में करारी हार के बाद उनके नेतृत्व के खिलाफ विद्रोह बढ़ रहा है।

इस सप्ताह की शुरूआत में उपचुनावों में मतदाताओं ने विपक्षी लेबर पार्टी के पक्ष में मतदान करके और कंजरवेटिव पार्टी को 'पार्टीगेट' घोटाले और जीवन-यापन पर खर्च बढ़ने को लेकर दंडित किया था। उसके बाद जॉनसन को आलोचना का सामना करना पड़ा रहा है। इन उपचुनावों को जॉनसन के नेतृत्व के लिए एक तरह के जनमत संग्रह के रूप में देखा रहा है। रवांडा में राष्ट्रमंडल शासनाध्यक्षों की बैठक (सीएचओजीएम) के अंत में संवाददाताओं ने जॉनसन से सवाल किया कि क्या वह 2028-2029 में होने अगले चुनाव तक पद पर एक पूर्ण दूसरे कार्यकाल चाहते हैं। इस पर, उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''फिलहाल मैं तीसरे कार्यकाल के बारे में सक्रियता से सोच रहा हूं और यह हो सकता है, लेकिन मैं समय आने पर इसकी समीक्षा करूंगा।'' डाउनिंग स्ट्रीट के एक सूत्र ने बाद में कहा कि वह मजाक कर रहे होंगे। इससे पहले, बीबीसी के एक साक्षात्कार में, जॉनसन ने कहा, ''यदि आप कह रहे हैं कि आप चाहते हैं कि मैं किसी प्रकार के मनोवैज्ञानिक परिवर्तन से गुजरूं, तो मुझे लगता है कि हमारे श्रोताओं को पता होगा कि ऐसा नहीं होने वाला है।''

उन्होंने कहा, '' आप क्या कर सकते हैं और सरकार को क्या करना चाहिए और मैं जो करना चाहता हूं, वह यह है कि हम अपनी व्यवस्था और हमारी अर्थव्यवस्था में बदलाव और सुधार के साथ आगे बढ़ें।'' उन्होंने दावा किया कि मतदाता ''मेरे बारे में बातचीत सुनकर तंग आ गए हैं'' और वे जीवन-यापन पर होने वाले खर्च, अर्थव्यवस्था और यूक्रेन में ''हिंसा और आक्रामकता के लिए खड़े होने पर'' पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं।'' हालांकि, उपचुनाव में हार के मद्देनजर उनकी प्रतिक्रिया और टिप्पणियों पर उन्हें कंजरवेटिव पार्टी के कुछ नेताओं की ओर से कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा है जिनके बारे में माना जाता है कि वे उन्हें प्रधानमंत्री के पद से हटाने की साजिश रच रहे हैं।

गर्भपात पर अमेरिकी उच्चतम न्यायालय का फैसला 'क्रांतिकारी', अन्य मामलों पर पड़ेगा असर: विशेषज्ञ

बोस्टन (अमेरिका) (एजेंसी)।

(द कन्वरसेशन) गर्भपात के अधिकार के लिए 50 साल के संवैधानिक संरक्षण को उलटने का अमेरिकी उच्चतम न्यायालय का फैसला 200 पेज से अधिक लंबा है। मैसाचुसेट्स विश्वविद्यालय, लोवेल में राजनीति विज्ञानी और प्रकाशन गृह पालग्रेव मैकमिलन में वार्षिक स्कॉटस श्रृंखला के संपादक मॉर्गन मैरिएटा ने अदालत की राय और फैसलों का अध्ययन किया। उन्होंने इस पर अपने विचार साझा किए हैं। इस फैसले का क्या मतलब है? यह एक क्रांतिकारी फैसला है। सिर्फ गर्भपात के लिए नहीं, बल्कि संविधान के तहत अधिकारों की प्रकृति पर चल रही बहस के लिए भी। यह संविधान को पढ़ने से लेकर मूल पाठ को पढ़ने तक, बड़े पैमाने पर बदलाव का संकेत देता है। अदालत ने जीवंत संविधान के सिद्धांत को दृढ़ता से खारिज कर दिया है, जो तर्क देता है कि दस्तावेज की का अर्थ बदल जाता है क्योंकि अमेरिकियों के विश्वास और मूल्य बदलते हैं। बीसवीं शताब्दी के उत्तरार्ध के दौरान उच्चतम न्यायालय में प्रचलित जीवंत दृष्टिकोण का अर्थ है कि गर्भपात, गोपनीयता और समान-लिंग विवाह सहित विषयों पर अतिरिक्त अधिकार समय के साथ उभर सकते हैं। जीवंत संविधान को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के निर्णय के माध्यम से अद्यतन किया जाता है, जो यह निर्धारित करते हैं कि सार्वजनिक मूल्य कब बदल गए हैं, और इसलिए नए अधिकार सामने आते हैं। मौलिकता, जो कि रो के विचारों को खारिज करने वाले न्यायाधीशों द्वारा लिया गया दृष्टिकोण है, जीवित संविधान को खारिज कर देता है। मौलिक दृष्टिकोण में, संविधान तब तक स्थिर रहता है जब तक कि संशोधन द्वारा आधिकारिक रूप से परिवर्तित नहीं किया जाता है। यह जनता की स्वीकृति के बिना अपने आप विकसित नहीं होता है। न्यायाधीशों की भूमिका पाठ के मूल सार्वजनिक अर्थ को निर्धारित करना है, लेकिन अन्य निर्णयों को चुनावों के माध्यम से लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व पर छोड़ना है। गर्भपात के संबंध में डॉब्स का निष्कर्ष स्पष्ट है,''संविधान प्रत्येक राज्य के नागरिकों को गर्भपात को विनियमित करने या प्रतिबंधित करने से नहीं रोकता है। रो और केसी ने उस अधिकार पर दावा किया। अब हम उन फैसलों को खारिज करते हैं और उस अधिकार को लोगों और उनके चुने हुए प्रतिनिधियों को वापस करते हैं।'' अदालत ने 1997 से ग्लक्सबर्ग मानक पर विचार किया है, जिसमें कहा गया है= अमेरिकियों के पास वे अतिरिक्त अधिकार हैं जो ''राष्ट्र के इतिहास और परंपरा में गहराई से निहित हैं।'' भविष्य में, संविधान के तहत कौन से अधिकार मौजूद हैं, यह निर्धारित करने के लिए अदालत इतिहास के पाठ पर भरोसा कर सकती है। क्या एक भ्रूण अब एक व्यक्ति है? यह राज्य फैसला करेगा। गर्भपात पर बहस के दो मुख्य प्रश्न हैं= क्या गर्भपात का अधिकार है? और क्या एक भ्रूण एक व्यक्ति है? यहां तक कि अगर एक अधिकार मौजूद है, तो यह उस व्यक्ति की हत्या को उचित नहीं ठहराता है। इस फैसले का अन्य मुद्दों पर क्या असर होगा? रो के फैसले को

पलटने में, बहुमत की राय अदालत के पिछले फैसलों को उलटने के लिए एक नया और कमजोर मानक पेश करती है। सीधे शब्दों में कहें तो भविष्य में मिसालों को पलटना आसान होगा। तीस वर्षों से केसी के फैसले जिसने 1992 में रो के मूल फैसले को बरकरार रखा को मिसाल माना गया है। अलिटो ने लिखा है ''निष्कर्ष यह है कि संविधान का अर्थ अदालत के इतिहास से अधिक महत्वपूर्ण है, इसलिए मिसाल न्यायिक अधिकार के रो के दुरुपयोग के अंतहीन पालन को मजबूर नहीं करती है।'' अधिकारों के प्रश्न जो संविधान द्वारा स्पष्ट रूप से संरक्षित नहीं हैं। इसलिए अब राज्य विधायिकाओं के हाथों में हैं और भविष्य में स्थानीय लोकतंत्र पर बहुत अधिक निर्भर होंगे। सामाजिक आंदोलन, अभियान और चुनाव, सभी राज्य स्तर पर, अमेरिकी अधिकारों का मुख्य युद्धक्षेत्र बन जाएगा।

सुविचार

बलवान व्यक्ति की भी बुद्धिमानी इसी में है कि वह जानबूझ कर किसी को शत्रु न बनाए। - शुप्रनीति

संपादकीय

शिक्षा में संस्कृत अनिवार्य करें

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

गुजरात के शिक्षामंत्री से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कुछ प्रमुख कार्यकर्ताओं ने अनुरोध किया है कि वे अपने प्रदेश में संस्कृत की अनिवार्य पढ़ाई शुरु करवाएं। यह मांग सिर्फ संघ के स्वयंसेवक ही क्यों कर रहे हैं और सिर्फ गुजरात के लिए ही क्यों कर रहे हैं? भारत के हर तर्कशील नागरिक को सारे भारत के लिए यह मांग करनी चाहिए, क्योंकि दुनिया में संस्कृत जैसी वैज्ञानिक, व्याकरणसम्मत और समृद्ध भाषा कोई और नहीं है। यह दुनिया की सबसे प्राचीन भाषा तो है ही, शब्द भंडार इतना बड़ा है कि उसके मुकाबले दुनिया की समस्त भाषाओं का संपूर्ण शब्द-भंडार भी छोटा है। अमेरिकी संस्था 'नासा' के एक अनुमान के अनुसार संस्कृत चाहे तो 102 अरब से भी ज्यादा शब्दों का शब्दकोश जारी कर सकती है, क्योंकि उसकी धातुओं, लकार, कृदंत और पर्यायवाची शब्दों से लाखों नए शब्दों का निर्माण हो सकता है। संस्कृत की बड़ी खूबी यह भी है कि उसकी लिपि अत्यंत वैज्ञानिक और गणित के सूत्रों की तरह है। जैसा बोलना, वैसा लिखना और जैसा लिखना, वैसा बोलना। अंग्रेजी और फ्रेंच की तरह संस्कृत हवा में लट्ठ नहीं घुमाती है। 'नासा' ने अपने वैज्ञानिक अनुसंधानों और कंप्यूटर के लिए संस्कृत को सर्वश्रेष्ठ भाषा बताया है। संस्कृत सचमुच में विश्व भाषा है। इसने दर्जनों एशियाई और यूरोपीय भाषाओं को समृद्ध किया है। संस्कृत को किसी धर्म-विशेष से जोड़ना भी गलत है। संस्कृत जब प्रचलित हुई, तब पृथ्वी पर न तो हिंदू, न ईसाई और न ही इस्लाम धर्म का उदय हुआ था। संस्कृत भाषा किसी जाति-विशेष की जागीर नहीं है। क्या उपनिषदों का गाड़ीवान रैक्व ब्राह्मण था? संस्कृत को पढ़ने का अधिकार हर मनुष्य को है। औरंगजेब के भाई दाराशिकोह क्या हिंदू और ब्राह्मण थे? उन्होंने 50 उपनिषदों का संस्कृत से फारसी में अनुवाद 'सिर्रे अकबर' के नाम से किया था। अब्दुल रहीम खानखाना ने 'खटकौतुकम' नामक ग्रंथ संस्कृत में लिखा था। तेहरान विश्वविद्यालय में मेरे एक साथी प्रोफेसर कुरान-शरीफ का अनुवाद संस्कृत में करने लगे थे। कुछ ईसाई विद्वानों ने संस्कृत 'खीस्त गीता' और 'खीस्त भागवत' भी लिखी है। कुछ अंग्रेज विद्वानों ने अब से लगभग पौने 200 साल पहले बाइबिल का संस्कृत अनुवाद 'नूतनधर्म्मनियमस्य ग्रंथसंग्रहः' के नाम से प्रकाशित कर दिया था। लगभग 40 साल पहले पाकिस्तान में मुझे एक पुणे के मुसलमान विद्वान मिले। मैं उनके घर गया। वे मुझसे लगातार संस्कृत में ही बात करते रहे। भारत में पंडित गुलाम दस्तगीर और डॉ. हनीफ खान जैसे संस्कृत के विद्वानों से मेरी पत्नी डॉ. वेदवती का सतत संपर्क बना रहा। अलीगढ़ मुस्लिम वि.वि. की संस्कृत पंडिता डॉ. सलमा महफूज ने ही दाराशिकोह के 'सिर्रे अकबर' का हिंदी अनुवाद किया है। अभी भी मेरे कई परिचित मुसलमान मित्र विभिन्न विश्वविद्यालयों में संस्कृत के आचार्य हैं। इसीलिए मेरा निवेदन है कि संस्कृत को किसी मजहब या जाति की बपौती न बनाएं। जरुरी यह है कि भारत के बच्चों को संस्कृत, उनकी उनकी मातृभाषा और राष्ट्रभाषा हिंदी 11 वीं कक्षा तक अवश्य पढ़ाई जाए और फिर अगले तीन साल बी.ए. में उन्हें छूट हो कि वे अंग्रेजी या अन्य कोई विदेशी भाषा पढ़ें। कोई भी विदेशी भाषा सीखने के लिए तीन साल बहुत होते हैं। उसके कारण हमारे बच्चों को संस्कृत के महान वरदान से वंचित क्यों किया जाए?

आज के कार्टुन

ईश्वर विश्वास

श्रीराम शर्मा आचार्य/ चोट खाया हुआ सांप आक्रमणकारी पर ऐसी फूंफकार मारकर दौड़ता है कि उसके होश छूट जाते हैं। सांसारिक व्यथाओं से विक्षुब्ध मनुष्य की भी ऐसी ही स्थिति होती है। जब मनुष्य को पीड़ाएं चारों ओर से घेर लेती हैं, कोई सहारा नहीं सूझता तो वह निष्ठापूर्वक अपने परमेर को पुकारता है। हार खाए हुए मनुष्य की कातर पुकार से परमात्मा का आसन हिल जाता है। उन्हें सारी व्यवस्था छोड़कर भक्त की सेवा के लिए भागना पड़ता है। ऐसा समय आता है जब मनुष्य संसार को भूलकर कुछ क्षण के लिए ऐसे दिव्य लोक में पहुंचता है, जहां उसे असीम सहानुभूति और शात शांति मिलती है। अंतःकरण की समस्त वासनाएं विलीन हो जाती हैं, इंद्रियों की चेष्टाएं शांत हो जाती हैं। हिरण्यकश्यप की हठधर्मिता से दुःखी बालक प्रह्लाद ने उसे बार-बार पुकारा, उसका नारायण बार-बार उसकी मदद के लिए दौड़ा। मनुष्य बुलाए और वह न आए ऐसा कभी हुआ नहीं। द्रौपदी जान गई थी कि सभा में उसे बचाने वाला कोई नहीं है। दुःशासन चीर खींचता है। लाज न चली जाए, इस भय से निर्बल नारी दीनानाथ को पुकारती है। भगवान श्रीकृष्ण आते हैं और उसका चीर को बढ़ाते हुए चले जाते हैं। देवासुर संग्राम की कथाओं में ऐसे अनेक वर्णन हैं। बहुत से लोग हैं, जो ईश्वर और उसके अस्तित्व को मानने से इनकार करते हैं, पर यदि भली भांति देखा जाए तो मूढ़ताग्रस्त व्यक्ति ही ऐसा कर सकते हैं। एक बहुत बड़ा आश्चर्य हमारे सामने बिखरा पड़ा है। उसे देखकर भी जिसका विवेक जाग्रत न हो, कौतूहल पैदा न हो, उसे और कहा भी क्या जाएगा? पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा कर रही है, यह दृश्य आप किसी अन्य ग्रह में बैठे देख रहे होते, तो समझते मनुष्य का अभिमान कितना छोटा है। विशाल ब्रह्माण्ड की तुलना में वह चींटी से भी हजार गुना छोटा लगेगा। अनंत आकाश और उस पर निरंतर होती रहती ग्रह-नक्षत्रों की हलचल, सूर्य, चन्द्रमा, सागर, पर्वत, नदियां, वृक्ष, वनस्पति, मनुष्य आदि के स्वयं के बदलते हुए क्षण क्या यह सब मनुष्य का विवेक जाग्रत करने के लिए काफी नहीं है? परमात्मा का अस्तित्व मानने के लिए क्या इतने से संतोष नहीं होता? विचारवान व्यक्ति कभी ऐसा नहीं सोचेगा। आदिकाल से लेकर अब तक जितने भी संत, महापुरुष हुए हैं और जिन्होंने भी आत्म कल्याण या लोक कल्याण की दिशा में कदम उठाया है, उन सबने परमात्मा-ईश्वर का आश्रय मुख्य रूप से लिया है।

मालदीव में सरकार विरोधी चक्रव्यूह में भारत

पुष्परंजन

मालदीव में योग दिवस पर हुड़दंग करने वाले दर्जन भर से अधिक गिरफ्तार हो चुके हैं। उनमें पूर्व सांसद मोहम्मद इस्माइल भी है। पांच-छह ऐसे अभियुक्त हैं, जिन्हें माले पुलिस ने साठ दिनों के रिमांड पर भी लिया है। योग दिवस पर माले के गोलोल्हू स्थित नेशनल स्टेडियम में हमला करने की सारी साजिश क्या प्रोग्रेसिव पार्टी ऑफ मालदीव (पीपीएम) ने रची थी? सरकार इसकी जांच में लगी हुई है। पीपीएम नेताओं ने बयान दिया है कि यह सब सत्तापक्ष का किया-कराया है। इतनी चाक-चौबंद सुरक्षा में पचास-साठ लोग झंडे और डंडे के साथ कैसे आयोजन स्थल के अंदर घुस सकते हैं? इस प्रकरण में मालदीव के खेल मंत्री अहमद महलूफ का बयान महत्वपूर्ण है। महलूफ ने कहा, 'योग महोत्सव अब्दुल्ला यामीन अब्दुल गयूम के राष्ट्रपति रहते हुए भी होता रहा है। मगर, 21 जून, 2022 के अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव में हुड़दंग सोची-समझी साजिश का हिस्सा है, जिसमें पीपीएम और जमीयत सलाफ़ के लोग शामिल थे।' जमीयत सलाफ मालदीव में पब कल्चर, कैसिनो, नाइट क्लब, टैटू का प्रचंड विरोधी है। आगामी 1 जुलाई, 2022 को सरकार संसद में मालदीव को और सेक्युलर बनाने के वास्ते एक विधेयक लेकर आ रही है, जिसका विरोध जमीयत सलाफ़ के नेता अल शेख़ हसन मुसा फिकरे ने किया है। उन्होंने कहा, 'यह किस तरह का लोकतांत्रिक अधिकार है, जिसमें टैटू बनाकर औरत मर्द हो जाए, और मर्द औरत? मालदीव में पब कल्चर व कैसिनो को मान्यता दिलाना है, और इस्लाम की मिट्टी पलीद करनी है।' 21 जून, 2022 के योग दिवस के दौरान जो विघ्न उपस्थित हुआ, क्या वह राजनीतिक व्यूह रचना का हिस्सा था? पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन ही इसका बेहतर उत्तर दे सकते हैं। 2013 से 2018 तक अब्दुल्ला यामीन राष्ट्रपति रहे। 2014 के बाद से माले में हर वर्ष योग दिवस आयोजित होता रहा है। जो लोग पकड़े गये हैं, उनमें पीपीएम के नेता अधिक हैं। निशाल अल शेख़, फज़लून बिन मोहमेद, मोहम्मद इस्माइल (पूर्व सांसद), मोहम्मद रज्जन जैसे नाम कई सारे सवाल खड़े करते हैं। मालदीव में इस्लामिक मामलों के मंत्रालय ने भी इस कांड की मज़म्मत की है। 23 सितंबर, 2018 के राष्ट्रपति चुनाव में इब्राहिम मोहम्मद सोलिह सत्ता में आये थे। मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) के नेता सोलिह ने 17 नवंबर, 2018 को शपथ ली थी। संसदीय चुनाव वहां 2019 में हुआ था जिसमें इब्राहिम मोहम्मद सोलिह की मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी को निचले सदन की 87 सीटों में से 65 सीटें हासिल हुई थीं। दूसरे-तीसरे नंबर पर जम्हूरी पार्टी और प्रोग्रेसिव पार्टी पांच-पांच सीटों के साथ संसद में हैं। पूर्व राष्ट्रपति और प्रोग्रेसिव पार्टी ऑफ मालदीव (पीपीएम) के नेता अब्दुल्ला यामीन दोबारा से सत्ता में आना चाहते हैं, वहां तक तो ठीक है, क्योंकि यह उस देश का अंदरूनी मामला है। मगर, मालदीव में सरकार विरोधी चक्रव्यूह में भारत को जिस तरह निशाने पर लिया जा रहा है, वह चिंता की बात है। गोलोल्हू नेशनल स्टेडियम में हमले की भर्त्सना कैबिनेट की बैठक में की गई। अटॉर्नी जनरल इब्राहिम रिफ़ात के साथ मालदीव का छह सदस्यीय मंत्री समूह पूरे घटनाक्रम की जांच कर रहा है। मालदीव दूतावास के कल्चरल सेंटर में योगाभ्यास 2012 से आयोजित होता रहा है। यहां योग शिक्षिका सविता हरीश बताती हैं कि काफी सारे स्थानीय लोग इस वास्ते संस्कृति केंद्र आते थे। लोकल टेलीविज़न भी योग क्लासेज़ कवर करता था। स्कूलों में योगासन की क्लास होती थीं। 13 से 15 फरवरी, 2016 में मालदीव-भारत के सहकार से 'हेल्थ एक्सपो' लगाया गया था, जिसमें तत्कालीन राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन अब्दुल गयूम, विदेश मंत्री दुनिया मयमून, उस समय के भारतीय उच्चायुक्त अखिलेश मिश्रा ने पूरी सक्रियता दिखाई थी। कई सारे रिसॉर्ट वालों ने पर्यटकों के लिए योग की सुविधाएं दे रखी थीं। मालदीव डेमोक्रेसी नेटवर्क की कार्यकारी निदेशक शाहिंदा इस्माइल बताती हैं कि पीपीएम के नेता अब्दुल्ला यामीन जैसे ही सत्ता से बाहर हुए, इंडियन म्यूज़िक, डांस, योग, वेस्टर्न कल्चर सब कुछ से उन्हें एलर्जी हो गई। पीपीएम के नेता अब्दुल्ला यामीन को लगा कि सत्ता में दोबारा से आना है, तो भारत की हर शै का विरोध करो। योग को हिंदू धर्म से जोड़कर मालदीव में राजनीतिक उन्माद पैदा करना भी इसी कवायद का हिस्सा रहा है। योग शिक्षिका सविता हरीश बताती हैं कि हमने यह सब देखकर योग की क्लास से ओम शब्द का उच्चारण ही हटा दिया था। योग के विरुद्ध घृणा का वायरस इंडोनेशिया, मिस्र जैसे देशों से मालदीव में आया, इसे भी ध्यान में रखने की आवश्यकता है। आज से तीस साल पहले 1992 में भारतीय दूतावास ने कैरो के इंडियन कल्चरल सेंटर में भारतीय भाषा, कला-संस्कृति और योग क्लासेज़ की शुरुआत की थी। उस कालखंड में अरब देशों के नौ स्पोर्ट्स चैनलों पर योग नमूदार होने लगा था। इससे खुंदक खाकर मिस्र के ग्रांड मुफ्ती अली गोमा ने 2004 में फतवा जारी किया कि इसे बंद करो, यह इस्लाम के विरुद्ध है। उससे और पहले सिंगापुर में इस्लामिक रिलीजियस कौंसिल ने 1984 में फतवा जारी किया, 'गोकि योग करते समय मंत्रोच्चारण करते हैं, सूर्य नमस्कार जैसी उपासना है, यह सब इस्लाम के विरुद्ध है। इसे बंद किया जाए।' 22 से 24 अक्तूबर, 2008 को मलयेशिया के कोटा बारू में 83वीं नेशनल फतवा कौंसिल आहूत हुई, जिसमें योग को हराम घोषित किया गया था। इस पर वहां देशव्यापी बहस शुरू हुई, उसकी वजह योग का मलयेशियाई जीवन शैली में प्रवेश कर जाना था। औरतों से लेकर मलयेशियाई बच्चे तक योगाभ्यास करते थे। अचानक एक फतवे के ज़रिये पाबंदी सर्वस्वीकृत नहीं थी। 22 नवंबर, 2008 को स्टार ऑनलाइन टीवी पर एक प्रसारण के दौरान फतवा कौंसिल के चेयरमैन, डॉ. अब्दुल शकुर हुसैन ने कहा कि योग में तीन तत्व हैं- मंत्रोच्चार, शारीरिक मुद्रा और पूजा। केवल शारीरिक मुद्रा परिवर्तन से कोई दिक्क़त नहीं, मगर बाक़ी दो इस्लाम की दृष्टि से स्वीकार्य नहीं। किसी ज़माने में हिंदू व बौद्ध धर्म का बोलबाला था मालदीव में। वहां इस्लाम का प्रवेश 1147-48 ईस्वी में हुआ था। इस मुल्क में सुन्नी इस्लाम को अपनी ज़मीन तैयार करने में कई सौ साल लगे। 1990 में नव-सलाफी मूवमेंट की शुरुआत मालदीव में हुई, जिसने राजनीति को अपने हुजरे में समेट लिया। 2008 से पहले 'सुप्रीम कौंसिल फॉर इस्लामिक अफेयर्स' सत्ता के लिए 'खुल जा सिम-सिम' का काम करती थी। 2008 में ही इसका नाम बदलकर 'मिनिस्ट्री ऑफ इस्लामिक अफेयर्स' रख दिया गया। योग को लेकर पूर्वी एशियाई देशों में जो कुछ फतवेबाज़ी चल रही थी, स्वाभाविक है, मालदीव उससे बेअसर नहीं रहता। लेकिन यह भारत-मालदीव संबंधों के लिए सुखदायी नहीं है।

लेखक ईयू-एशिया न्यूज़ के नयी दिल्ली संपादक हैं।

सैन्य मनोबल पर न हो प्रतिकूल असर

उमाकांत लखेड़ा

देश की लाखों की सेना के वेतन, पेंशन व सुविधाओं के भारी-भरकम सैन्य बजट पर नियंत्रण हेतु केंद्र की अग्निपथ योजना लागू करने की अधिसूचना के बाद भी विवाद नहीं थमा। सरकार ने तीनों सेनाओं के शीर्ष अधिकारियों के जरिए दो टूक कहा कि योजना से अब पीछे हटने का कोई सवाल नहीं। कहा जा रहा कि हिंसक आंदोलन थमने के बावजूद भविष्य में इस स्वतःस्फूर्त आंदोलन के राजनीतिकरण से सेना के मनोबल पर तो असर पड़ेगा ही, एक बड़ी सैन्य शक्ति वाले भारत की प्रतिष्ठा पर भी आंच आ सकती है। बहरहाल, आश्वासनों के बाद भी योजना से उपजा देशव्यापी विवाद जल्द थमने के आसार कम हैं। मात्र एक सप्ताह के भीतर ही सरकार की ओर से अग्निपथ योजना के नौजवानों के लिए कई रियायतों की घोषणा से साफ है कि नई भर्ती नीति की घोषणा के पहले न तो योजना के विरोध का अंदेशा लगाया गया और न ही कमजोरियों पर सैन्य विशेषज्ञों व पूर्व सैन्य अधिकारियों के साथ चिंतन-मंथन हुआ। मोदी सरकार में राज्य मंत्री व पूर्व थल सेना प्रमुख जनरल वीके सिंह ने सार्वजनिक तौर पर स्वीकारा कि योजना बनाने की प्रक्रिया में वे खुद शामिल नहीं थे, जो बताता है कि सेना प्रमुख जैसे शीर्ष पद पर रहे अपने मंत्री से ही सरकार और सेना के अधिकारियों ने विमर्श नहीं किया। कारगिल युद्ध के दौरान सेना मुख्यालय में आपरेशन से जुड़े रहे लेफ्टिनेंट जनरल (रि.) मोहन भंडारी कहते हैं कि 'अग्निपथ' मौलिक तौर पर सरकार की ही योजना है। उसकी कमियों के बारे में जो कुछ भी सवाल उठे हैं, उनके जवाब तीनों सेनाओं के अधिकारियों के बजाय रक्षा मंत्री या रक्षा सचिव को देने चाहिए। सरकार द्वारा बिना ठोस व गंभीर मंथन के योजना बनाने और सेना को सरकार का बचाव करने के लिए मीडिया के सामने उतारने से गलत परंपरा डाली जा रही है। आलोचकों व नौजवानों के विरोध के स्वरों की तसल्ली से सुनवाई का काम सरकार को करना चाहिए । हालांकि सरकार का दावा है कि पूर्व व वर्तमान सैन्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विगत दो साल से मंथन हुआ। विशेषज्ञों का कहना है कि संवेदनशील मुद्दों पर गहराई से मंथन हेतु विशेष कमेटियां और संसदीय विमर्श का रास्ता अपनाना चाहिए था। निस्संदेह भारत के पड़ोस का सुरक्षा वातावरण लगातार आक्रामक हो रहा है। युद्ध की महंगी तकनीकों के साथ नए साजो-सामान व अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों जैसी चीजें बहुत महंगी होना एक अलग चिंता है। निस्संदेह, 2024 के आम चुनाव में बेरोजगारी सबसे बड़ा मुद्दा बनेगा। आर्थिक तंगी और संसाधनों व निवेश में गिरावट की मार झेल रही सरकार गत आठ साल में रिटायर लोगों की खाली जगहों को भरना तो दूर, आंशिक तौर पर भी नई भर्तियां नहीं कर पा रही। बेरोजगारी दूर करने का दारोमदार सेना के कंधों पर आ गया है। अग्निवीरों के लिए जो भर्तियां निकलेंगी, उनमें में 4 साल तक सेना में काम करने के बाद जब वे घरों को लौटेंगे तो फिर से नया जीवन शुरू करने की सरकार की ओर से की जा रही घोषणाओं पर उनको कोई भरोसा नहीं। अब तक के आंकड़े बताते हैं कि मात्र 2 प्रतिशत पूर्व सैनिकों को ही इच्छित रोजगार मिल सका है। पलायन की मार झेल रहे सैन्य बहुल उत्तराखंड जैसे राज्यों की अपनी समस्याएं हैं। नए तरह की सामरिक चुनौतियां और बदलते दौर में अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी ने युद्ध की विधाओं और तरीकों को भी बदल दिया है। भविष्य के युद्धों को जमीन से जमीन तक परंपरागत तरीकों से लड़ने के बजाय नई तकनीकों से लड़ा जाएगा। जाहिर है कि पैदल सेना की तादाद में कटौती करना वक्त की मांग है। सरकार कटघरे में इसलिए है क्योंकि योजना के बारे में विशेषज्ञों के साथ कभी कोई विचार-विमर्श नहीं कराया गया। कोविड के बहाने 2020 के पहले से सेना में सिपाहियों की भर्ती प्रक्रिया को रोक दिया गया। चुनावी सभाओ में बेरोजगार नौजवानों के लिए भर्ती रैलियां आयोजित कराने के नाम पर खूब तालियां पिटीं। छह साल पहले की नोटबंदी के बाद उत्तर भारत खास तौर पर बिहार व पूर्वी यूपी में छात्रों व नौजवानों में बेरोजगारों की लाइनों को और भी लंबा कर दिया। चूंकि सरकार बाकी निजी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा करने में नाकाम रही है इसलिए सरकारी नौकरियों की ओर ही ज्यादातर युवा व उनके माता-पिता नजरें गड़ाए हुए हैं। सेना की नौकरी में सबसे बड़ा आकर्षण है रिटायरमेंट के बाद मिलने वाली पेंशन का। बाकी सरकारी नौकरियों में एनडीए की अटल सरकार द्वारा 2004 के बाद हुई भर्तियों में पेंशन का प्रावधान ही खत्म कर दिया गया। निजी क्षेत्र में नौकरी की गारंटी या सामाजिक सुरक्षा का पूरा ताना-बाना हायर एंड फायर में पहले ही तब्दील हो चुका। पिछले दो-ढाई दशक से आईटी सेक्टर के बड़े हब नोएडा, गुड़गांव, बंगलूरु, पुणे, हैदराबाद आदि कई जगहों पर उभरे हैं। जाहिर है ये जगहें पढ़े-लिखे नौजवानों के लिए बेहतरीन भविष्य व करिअर बनाने के केंद्र के तौर पर स्थापित हुए हैं। इसी तरह बड़े और महंगे बिजनेस स्कूलों में प्रवेश पाने के लिए मोटी रकम देकर कोचिंग के लिए दिल्ली, मुंबई जैसे महानगरों में जाना दूर की कौड़ी है। ऐसी सूरत में ग्रामीण भारत के दसवीं और इंटर पास बच्चों के पास सुरक्षित रोजगार के लिए सेना और दूसरे अर्धसैन्य बलों में भर्ती के अलावा और कोई विकल्प नहीं बचता। ग्रामीण भारत में बेरोजगारी बढ़ने का एक और बड़ा कारण यह भी है कि छोटे किसानों के पास परिवार के भरण-पोषण के लिए पर्याप्त खेती नहीं रह गई। ऐसे में किसान कम आयु में ही बच्चों को सेना में भेजने को ही सर्वोच्च प्राथमिकता बनाते हैं। निस्संदेह, अग्निवीरों के लिए सामाजिक अशांति के बीच जबरन कैंप लगाने के सार्थक परिणाम नहीं निकलेंगे। आखिर जो नौजवान भर्ती होंगे वे हमारे देश की सीमाओं की सुरक्षा के ढांचे में काम करेंगे। सेना में वर्षों से काम करने वाले सैनिकों के साथ उन्हें प्रशिक्षण भी लेना है। पूरी संवेदना के साथ कदम आगे बढ़ाने की जरूरत है।

सू-दोकू नवताल -2151

		2		3		1		6
1				4		5	7	2
		4		6			3	9
		9	8			2		4
	5			2			1	
6		8			1	9		
8	4			9		3		
3	6	1		8				5
2		5		1		6		

सू-दोकू -2150 का हल

9	3	8	2	6	1	4	7	5
2	7	5	8	4	9	6	3	1
6	4	1	5	3	7	2	8	9
7	8	6	4	1	3	5	9	2
5	9	4	7	8	2	1	6	3
1	2	3	6	9	5	7	4	8
3	5	9	1	7	4	8	2	6
8	1	7	9	2	6	3	5	4
4	6	2	3	5	8	9	1	7

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2151

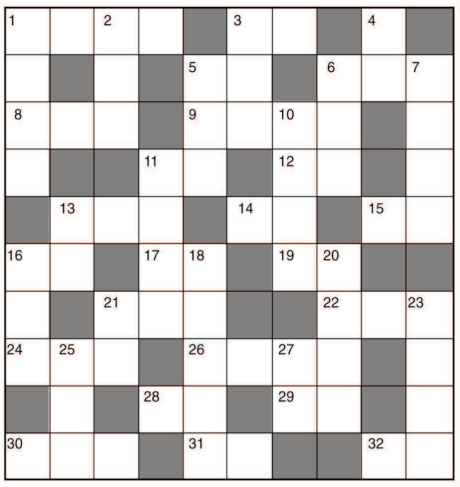

बायें से दायें:-

1. 'किसी नजर को तेरा' गीत वाली राज बब्बर, सुरेश, डिम्पल की फिल्म-4
3. बॉबी, लारा, गुल पनाग की 'मैं यहां तू कहां' गीत वाली फिल्म-2
5. जैकी श्राफ, अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'ना जइयो परदेस' गीत वाली फिल्म-2
6. सनी, मीनाक्षी, ममता की फिल्म-3
8. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'छेड़ ना मुझ को' गीत वाली फिल्म-3
9. फिल्म 'आखिरी डाकू' में नायिका-2,2
11. 'बेदर्दी तेरे प्यार ने' गीत वाली फिल्म-2
12. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-2
13. शशिकपूर, शबाना आजमी की 'तोता मैना की कहानी तो' गीतवाली फिल्म-3
14. फिल्म 'बारिश' में नायिका कौन थी-2
15. सलमान, नगमा की 'कैसा लगता है अच्छा लगता है' गीत वाली फिल्म-2
16. 'तू कितने बरस की' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-2
17. फिल्म 'निगाहें' में नायक कौन था-2
19. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-2
21. धारावाहिक 'एहसास' में 'तराना' द्वारा निभाया गया बड़ी बहू का पात्र-3
22. 'पुलिस केस ना' गीत वाली जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की फिल्म-3
24. अमिताभ, वहीदा, जीनत, की 'हर गोरी रानी यहाँ' गीत वाली फिल्म-3
26. 'पराई हूँ पराई' गीत वाली शशिकपूर, आशा की फिल्म-4
28. संजयदत्त, पूनम की 'तेरे दिल की तू जाने' गीत वाली फिल्म-2
29. 'बाबूल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, पद्मिनी की फिल्म-2
30. राजबब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो जमुना' गीत वाली फिल्म-3
31. सलमान, स्नेहा की एक फिल्म-2
32. फारूख शेख, पूनम की 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

10. गोविंदा, करिश्मा की 'अआ ई उ ऊ ओ मेरा दिल ना तोड़ो' गीत वाली फिल्म-2,2
11. 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली मिथुन, शत्रुघ्न, अनिता राज, हेमा की फिल्म-4
13. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली फिल्म-2
16. 'तिनका तिनका जरा जरा' गीत वाली जॉन अब्राहम, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-3
18. राजकुमार, मनोजकुमार, वहीदा की 'खाली डब्बा खाली बोतल' गीत वाली फिल्म-5
20. 'टपका रे टपका' गीत वाली संजयदत्त, माधुरी दीक्षित की फिल्म-2
23. 'ये लड़की जरा सी दीवानी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-2,2
25. नसीरूद्दीनशाह, रंजीता, स्मिता पाटिल की 'तू क्या जाने तुझमें' गीत वाली फिल्म-3
27. 'दिल के टुकड़े टुकड़े कर के' गीत वाली अमजद खान, विंदियागोस्वामी की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2150

मु	सा	फि	र		ड	के	त		गा
क्ति		दा	न	वी	र		क्ष	त्रि	य
	री			र		श	क		ब
गु	ना	ह		ता	ल			क	
म		वा	दा		ग	र्व		सू	र्या
ना	ना		मि	ल	न		सु	र	
म		सु	नी	ल		रा	जा		ए
	ने	हा		का	श		ता	क	त
क्रो		ग	द	र		दे			रा
ध	मां		म		रा	व	ण	रा	ज

1. अक्षयकुमार, करीना, प्रियंका की 'नजर आ रहा है' गीत वाली फिल्म-4
2. 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की फिल्म-3
3. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-3
4. 'दुल्हन बनती हैं नसीबों वालियां' गीत वाली रणधीर कपूर, बबीता की फिल्म-2
5. अनिलकपूर, अक्षयकुमार वाली फिल्म 'बेवफा' की नायिका कौन है-3
6. 'डोन्ट से नो' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-3
7. 'जैसी करनी वैसी भरनी' गीत वाली राजकुमार, रेखा, मौसमी चटर्जी की फिल्म-4

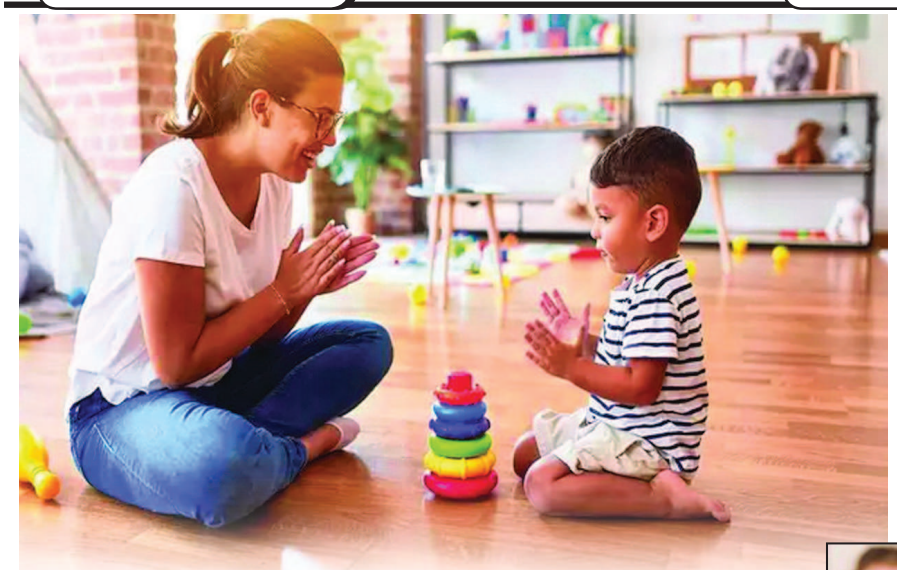

मेंटल और फिजिकल हेल्थ के लिए बुरा हो सकता है, कम उम्र में बच्चों को स्कूल भेजना

अपने छोटे बच्चों को स्कूल भेजना और उसके सुनहरे भविष्य की कामना करना हर माता-पिता का हक होता है। अपने बच्चे के जन्म से ही वह उसके भविष्य के बारे में सोचने लगते हैं। प्री-स्कूलिंग, कॉलेज सब तय हो गया होता है, लेकिन विशेषज्ञों का दावा किसी और ही तरफ इशारा करता है। उनके अनुसार कम उम्र में बच्चों को स्कूल भेजना उनके मानसिक स्वास्थ्य पर गलत असर डालता है।

बच्चों को प्री-स्कूलिंग के लिए भेजना हर पेरेंट्स के लिए काफी बड़ा कार्य होता है। यह पहली बार होता है उनका नन्हा-सा बच्चा अपने जीवन को सुधारने और उससे नई चीजों को सीखने के लिए वास्तविक दुनिया में कदम रखता है। स्कूलिंग के दौरान मिलने वाली औपचारिक शिक्षा उसे उसके सुनहरे भविष्य के लिए तैयार करती है। हम में से अधिकांश लोगों का मानना है कि यदि आपका बच्चा इसके लिए तैयार है, तो उसे प्री-स्कूल में एडमिशन दिलाने का कोई सही या गलत समय नहीं है, लेकिन विशेषज्ञ वास्तव में इससे सहमत नहीं हैं। एक अध्ययन के अनुसार, भले ही आपका बच्चा प्रतिभाशाली हो और उसमें जल्दी सीखने की कौशलता हो, फिर भी उन्हें बहुत जल्दी स्कूल भेजना उनके मानसिक स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकता है। रिसर्चरों का कहना है कि आपका अपने बच्चों को प्री-स्कूल जल्दी भेजने का आग्रह स्वाभिक है, लेकिन अपने बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य के लिए सही समय का इंतजार करना ही बेहतर होगा।

बच्चों को जल्दी स्कूल भेजना इसलिए होता है हानिकारक नए अध्ययन के शोधकर्ता सलाह देते हैं कि माता-पिता किंडरगार्टन में अपने साथियों के साथ अपने बच्चों की उम्र पर विचार करें। एक बड़ा अंतर आपके बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकता है। एक नए अध्ययन के अनुसार, जो बच्चे अपने साथियों से छोटे होते हैं (स्कूल शुरू करने के लिए न्यूनतम आयु कट-ऑफ के करीब), वह कक्षा में खराब प्रदर्शन करते हैं और उन्हें साथियों की तुलना में विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होती है। इंग्लैंड में यूनिवर्सिटी ऑफ एक्सेटर मेडिकल स्कूल के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययन से पता चला है कि बहुत जल्दी स्कूल शुरू करना आपके बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है।

स्टडी क्या कहती है

अध्ययन के लिए, शोधकर्ताओं की टीम ने एक मौजूदा अध्ययन से एकत्र किए गए डेटा का उपयोग किया, जिसे ''स्कूल अध्ययन में सहायक शिक्षक और बच्चे'' कहा जाता है। यह अध्ययन डेवोन, इंग्लैंड के 80 विभिन्न स्कूलों के 2,075 प्राथमिक विद्यालय के पांच से नौ वर्षों के छात्रों पर किया गया था। अध्ययन में माता-पिता और शिक्षकों से पूछे गए सवालों की एक श्रृंखला शामिल थी, जिससे यह पता चला कि जल्दी स्कूल भेजने से बच्चों में चिंता और भय, अपने साथियों के साथ खराब संबंध, व्यवहार और एकाग्रता के मुद्दों जैसी नकारात्मक भावनाएं जन्म लेती हैं।

परिणाम क्या निकला

अध्ययन के अंत में, यह निष्कर्ष निकाला गया कि छोटे बच्चों में उनके साथियों की तुलना में खराब मानसिक स्वास्थ्य होने की संभावना अधिक होती है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि कम उम्र में बड़े साथियों के साथ रहना थोड़ा तनावपूर्ण हो सकता है। समस्या उन बच्चों में विशेष रूप से प्रमुख थी जो नई चीजें सिखने में कठिनाइयों का सामना कर रहे थे और समय से पहले पैदा हुए थे। यह खोज माता-पिता को इस बारे में विचार करने में मदद कर सकती है कि औपचारिक शिक्षा सेटिंग में बच्चे का नामांकन कब करना है, ताकि उनके स्वास्थ्य के लिए कुछ भी हानिकारक सिद्ध नहीं हो।

एडमिशन की सही उम्र

ज्यादातर लोगों का मानना है कि जितनी जल्दी वह अपने बच्चों को स्कूल भेजेंगे, उनके लिए उतना ही अच्छा होगा। विशेषज्ञों के अनुसार, बच्चों के लिए स्कूली शिक्षा शुरू करने के लिए 3 साल एक आदर्श उम्र है। हालांकि, अपने बच्चे को स्कूल भेजने से पहले आपको कुछ बातों पर ध्यान देना चाहिए।

- उन्हें शौचालय प्रशिक्षित होना चाहिए।
- वह थोड़े समय के लिए स्थिर बैठ सकते हैं।
- वह अपने माता-पिता से दूर आराम से समय बिता सकते हैं।
- वह अपनी जरूरतों को बता सकते हैं और दूसरों की बातें सुन सकते हैं।

आपके किचन में मौजूद है सन टैन हटाने के आसान नुस्खे

अगर आप भी बीच पर छुट्टियां बिताकर हॉलिडे की यादों के साथ-साथ सन टैन लेकर लौटी हैं तो परेशान होने की जरूरत नहीं। गर्मियों में कितना भी धूप से बचो, सन टैन हो ही जाता है। ऐसे में हम आपको बता रहे हैं सन टैन रिमूवल के कुछ तरीके, जिन्हें आप घर पर ही आजमा सकती हैं। खास बात ये कि ये चीजें आपके किचन में ही मिल जाएंगी.

खीरे की फ्रेश स्लाइस

खीरे की फ्रेश स्लाइस लें। इसे फेस के साथ-साथ सन टैन प्रभावित क्षेत्रों पर हल्के हाथों से रगड़ें। लगाने के बाद तकरीबन 10 मिनट के लिए इसे ऐसे ही छोड़ दें और फिर पानी से धो लें। टैनिंग दूर हो जाएगी।

हल्दी, बेसन और दही का पैक

दो चम्मच बेसन, दो चम्मच हल्दी पाउडर और दो चम्मच दही लें और इन सभी चीजों को अच्छी तरह से मिक्स कर लें। अब इस मिश्रण को अपने फेस और सन टैन प्रभावित बॉडी पार्ट्स पर लगाएं। तब तक लगा रहने दें, जब तक वह पूरी तरह से सूख न जाए। जब सूख जाए, तो पानी से धो लें।

शहद और नींबू का पैक

दो चम्मच शहद और एक चम्मच नींबू का रस लें। इसे मिक्स करके तकरीबन 15 मिनट के लिए लगाकर छोड़ दें। अब पानी से धो लें। टैनिंग दूर करने का यह सबसे आसान तरीका है।

कच्चा दूध

थोड़ा सा कॉटन ले लें और बिना उबले हुए कच्चे दूध में कॉटन को भिगोएं और इसे फेस पर लगाएं। इसे 10 मिनट के लिए लगाकर छोड़ दें। फिर चेहरे को पानी से धो लें।

बच्चे का वेट बढ़ने में पैरंट्स का होता है इंपॉर्टेंट रोल

अक्सर ही खुद और बच्चे के वेट को लेकर टेंशन हो जाती है कि लगातार वजन कैसे बढ़ता ही जा रहा है लेकिन क्या आप जानते हैं कि बच्चे के वेट बढ़ने में पैरंट्स का इंपॉर्टेंट रोल होता है। हाल ही में इसपर एक स्टडी भी सामने आई। आइए जानते है.

अक्सर ही यह देखा गया है कि परिवार में अगर कोई एक व्यक्ति मोटापे की समस्या से परेशान है तो दूसरों का भी वजन बढ़ता ही जाता है। हालांकि अधिकतर यह पैरंट्स और बच्चों में देखने को मिलता है। यानी कि जिन पैरंट्स का वेट ज्यादा होता है उनके बच्चों का भी वजन बढ़ता ही जाता है। वहीं पैरंट्स इस बात को लेकर खासे परेशान नजर आते हैं कि कैसे बच्चे का वजन कम हो। हाल ही में ऐसे मामलों पर की गई स्टडी से यह बात सामने आई है कि कैसे अपनी लाइफस्टाइल में कुछ तब्दीलियां लाकर पैरंट्स अपने साथ ही बच्चों के वेट बढ़ने पर नियंत्रण कर सकते हैं। स्टडी के मुताबिक पैरंट्स बच्चों को जो भी खिलाते हैं बच्चे वह खाते जाते हैं। इससे उनका वजन बढ़ने लगता है। लेकिन अगर आप अपने बच्चे को हेल्दी खाने और अच्छी आदतों के अनुसार ढालते हैं तो वह वजन बढ़ने की समस्या से निजात पा सकता है। शोधकर्ताओं ने इसके लिए (डिवलेपिंग रिलेशनशिप्स दैट इन्क्लूड वैल्यूज ऑफ इटिंग ऐंड एक्सर्साइज) रिसर्च किया। यानी कि खाने और एक्सरसाइज के जरिए बच्चों और उनके पैरंट्स को बढ़े हुए वजन को नियंत्रित या कम करने के लिए प्रेरित किया। इस बारे में अमेरिका के लुसियाना स्टेट यूनिवर्सिटी के रिसचर्स केली हॉकिन्स और कॉर्बी के मार्टिन कहते हैं कि बच्चों पर सबसे ज्यादा प्रभाव उनके माता-पिता का ही पड़ता है।

रिसर्च में 16 परिवारों पर हुई स्टडी

पैरंट्स और उनके बच्चों के बढ़ते वजन को कैसे नियंत्रित और कम किया जा सके इसके लिए 16 परिवारों को 19 सप्ताह तक ऑब्जर्व किया गया। हालांकि इस दौरान उन्हें अपनी और बच्चों की लाइफस्टाइल में शामिल करने की बात कही गई थी। इसके बाद स्टडी में 2 से 6 साल के बच्चों का बीएमआई (बॉडी मास इंडेक्स) 75प्रतिशत से अधिक पाया गया। बता दें कि (डिवलेपिंग रिलेशनशिप्स दैट इन्क्लूड वैल्यूज ऑफ इटिंग ऐंड एक्सर्साइज) के सेशन्स में यह बात सामने आई कि इसमें नियमित स्नैक और खाने के साथ ही फिजिकल ऐक्टिविटीज के होने से बच्चों के बीएमआई में कमी देखी गई। साथ ही उनका वजन भी नियंत्रित था। वहीं पैरंट्स के वजन में भी थोड़ी तब्दीलियां देखने को मिलीं। लेकिन जिन बच्चों को ड्राइव के सेशन में शामिल नहीं किया गया केवल जानकारी ही दी गई थी उनके वजन में वृद्धि दर्ज की गई। शोधकर्ताओं के मुताबिक संयमित, नियमित खानपान और एक्सर्साइज से खुद और बच्चे दोनों के ही वजन को नियंत्रित किया जा सकता है।

बालों से डैंड्रफ दूर करने के लिए लगाएं टमाटर का जूस

टमाटर प्रकृति का दिया एक ऐसा उपहार हैं जो एंटीऑक्सीडेंट्स और विटमिन से भरपूर है। टमाटर खाना सेहत ले लिए लाभदायक है और इसे चेहरे पर लगाने से स्किन हेल्दी बनती है। इतना ही नहीं अगर आप इसे अपने बालों पर लगाएंगे तो रुखे और बेजान बाल चमकदार और रेशमी हो जाएंगे। आइए, यहां जानते हैं कि टमाटर का जूस बालों पर लगाने से क्या-क्या फायदे होते हैं.

- टमाटर का जूस बालों पर लगाने से बालों का टेक्चर स्मूद होता है और बालों की शाइनिंग में बढ़ती है।
- टमाटर का जूस बालों में पीएच लेवल बैलंस करता है, जिससे रुखे और बेजान बालों में वॉल्यूम आ जाता है।
- टमाटर में बड़ी मात्रा में विटमिन ए और विटमिन सी होता है। इसके जूस को बालों पर लगाने से बालों की स्कल्प को मजबूती मिलती है।
- टमाटर का जूस लगाने से बालों में मजबूती आती है और बाल जल्दी से दोमुहे नहीं होते हैं। साथ ही ग्रोथ अच्छी बनी रहती है।

ऐसे बनाएं कंप्लीट पैक

अगर आपके बालों में डाईनेस बहुत ज्यादा हो गई है और डैंड्रफ से भी परेशान हैं तो टमाटर के जूस में शहद मिलाकर हेयर मास्क बनाकर बालों पर लगाएं। आधा घंटा लगाए रखने के बाद बालों को माइल्ड शैंपू से धो लें। हो सकता है लगाने के तुरंत बाद आपको सिर में हल्की जलन महसूस हो या खुजली हो लेकिन आप परेशान न हों। ऐसा टमाटर में एसिडिक प्रॉपर्टी होने के कारण होता है।

आज के जमाने में शायद ही कोई व्यक्ति ऐसा होगा जो डियोड्रेंट और परफ्यूम का इस्तेमाल न करता हो। फिर चाहे आपकी एज कुछ भी हो और आप महिला हों या पुरुष इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता, हर कोई चाहता है कि उसके शरीर से अच्छी स्मेल आए। ऐसे में रोज, लैवेंडर और फ्रूटी स्मेल से भरपूर डियोड्रेंट और परफ्यूम गर्मी के दिनों में पसीने की बदबू से लड़ने में मदद करते हैं।

घर में छोटे बच्चे हैं तो परफ्यूम और डियोड्रेंट यूज करते वक्त बरतें सावधानी

बॉटल पर लिखे निर्देशों का पालन न करने से नुकसान हालांकि इन परफ्यूम्स और डियोड्रेंट्स का इस्तेमाल करते वक्त जिस एक चीज का हम सब ध्यान नहीं रखते वह है बॉटल पर लिखे निर्देशों का पालन करना जो कई बार हानिकारक साबित हो सकता है। हाल ही में हुई एक स्टडी में यह बात साबित भी हो चुकी है कि बच्चों को लगने वाली चोट में 127 प्रतिशत चोटें पर्सनल केयर प्रॉडक्ट्स की वजह से लगती हैं जिनमें खुशबू और सुगंध से जुड़ी परफ्यूम और डियोड्रेंट जैसी चीजें शामिल हैं। इस तरह की चीजें बच्चों के लिए बेहद नुकसानदेह साबित हो सकती हैं इसलिए इनका इस्तेमाल करते वक्त माता-पिता को भी काफी सावधानी बरतनी चाहिए।

इन चीजों को छोटे बच्चों की पहुंच से दूर रखें

परफ्यूम और डियोड्रेंट जैसी चीजों को बच्चों की पहुंच से बहुत दूर रखें क्योंकि अगर बच्चे गलती से भी इन्हें अपनी आंख, नाक, कान या मुंह में स्प्रे कर लें तो यह बच्चों के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। इतना ही नहीं अगर घर में बहुत ज्यादा छोटे बच्चे हैं तब भी पैरंट्स को बहुत ज्यादा सावधानी बरतनी चाहिए वरना बच्चों द्वारा इन चीजों की बॉटल, ढक्कन आदि चीजों को मुंह में लेने की वजह से चोकिंग का भी खतरा रहता है।

बच्चे अगर यूज करें तो सेहत से जुड़ी समस्याओं का खतरा

अगर आपके घर में 13 से 17 साल के बीच के किशोर हैं तो उनमें संगी-साथियों के प्रेशर की वजह से समस्याएं अलग होती हैं। बड़े बच्चे खुद भी अच्छा स्मेल करने के लिए इन प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करना चाहते हैं। ऐसे में छोटी उम्र में परफ्यूम या डियोड्रेंट का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल करने की वजह से बच्चों में फिजिकल हेल्थ से जुड़ी कई तरह की समस्याएं भी हो सकती हैं। साथ ही बच्चे बॉटल पर लिखे निर्देश पढ़े बिना इसे सीधे स्किन पर स्प्रे कर लेते हैं जिससे उन्हें स्किन ऐलर्जी, रिऐक्शन, अस्थमा और सांस लेने में दिक्कत जैसी कई समस्याएं भी हो सकती हैं।

रुपया सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया नीचे आया है। रुपया एक पैसे से नीचे आकर 78.34 प्रति डॉलर के नए सर्वकालिक निचले स्तर तक खिसक गया। विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार निकासी से भी घरेलू मुद्रा पर प्रभाव पड़ा है हालांकि विदेशों में डॉलर में कमजोरी से रुपये को कुछ हद तक बल मिला है। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया 78.24 प्रति डॉलर पर खुला और अपनी शुरुआती बढ़त को खोने के बाद कारोबार के अंत में एक पैसे की गिरावट के साथ ही 78.34 रुपये प्रति डॉलर के अपने सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान रुपया 78.24 के उच्च स्तर तक जाने के बाद 78.36 तक आया। इससे पिछले कारोबारी सत्र में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 78.33 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.21 फीसदी की गिरावट के साथ ही 103.97 पर आ गया।

वैश्विक रेटिंग एजेंसी ने गेल की 'बीबीबी रेटिंग को कायम रखा

नई दिल्ली । वैश्विक रेटिंग एजेंसी ने भारत की सबसे बड़ी गैस कंपनी गेल की स्थिर परिदृश्य के साथ 'बीबीबी रेटिंग को कायम रखा है। कंपनी का वित्तीय स्थिति मजबूत रहने के बीच रेटिंग एजेंसी ने यह कदम उठाया है। रेटिंग एजेंसी ने कंपनी की ट्रिपल बी-रेटिंग को पुष्ट किया है। गेल में सरकार की 51.52 प्रतिशत हिस्सेदारी है। गेल भारत की सबसे बड़ी गैस पारेषण और विपणन कंपनी है। इसका 14,502 किलोमीटर का गैस पाइपलाइन नेटवर्क है, जो 21 राज्यों तक फैला हुआ है। इसकी दैनिक क्षमता 20.6 करोड़ मानक घनमीटर की है।

तांबा उत्पादन में बड़ा 6000 करोड़ रुपए निवेश करेगा अडाणी समूह, मुंद्रा में लगेगा प्रोजेक्ट

नई दिल्ली । अडानी ग्रुप तांबे में बड़ा निवेश करने वाला है। अडाणी समूह ने गुजरात के मुंद्रा में दस लाख टन के सालाना उत्पादन वाली यूनिट की स्थापना के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से कर्ज की व्यवस्था की है। अडाणी समूह ने एक बयान में कहा अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की अनुषंगी कच्छ कॉपर लिमिटेड कॉपर रिफायनरी प्रोजेक्ट की स्थापना कर रही है। दो चरणों में बनने वाला यह प्लांट हर साल दस लाख टन रिफाइंड तांबे का उत्पादन करेगा। बयान में कहा गया कि इस परियोजना के लिए भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की अगुआई में बैंकों के एक गठजोड़ से कर्ज मिला है। केसीएल परियोजना के पांच लाख टन की क्षमता वाले पहले चरण के लिए बैंकों के इस गठजोड़ ने 6,071 करोड़ रुपये की कर्ज आवश्यकता के लिए समझौता किया और इसे मंजूरी दी। अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड के निदेशक विनय प्रकाश ने कहा इस परियोजना का परिचालन वर्ष 2024 की पहली छमाही में शुरू हो जाएगा। कोरोना महामारी के बाद से दुनियाभर में तांबे की डिमांड काफी बढ़ गई है। इन्वेस्टमेंट बैंक गोल्डमैन सैस का कहना है कि यह इंडस्ट्रियल कमोडिटी एक ऐसे नए सुपर साइकल में है, जो साल 2004 से 2011 के बीच देखने को मिली थी। भारत की बात करें तो यहां तांबा बाजार में अधिक बड़े प्लेयर्स नहीं हैं। इसलिए यहां तांबा बाजार में अच्छे मौके हैं। रिन्यूएबल एनर्जी और इलेक्ट्रिक व्हीकल क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाओं के चलते देश में तांबे की मांग बढ़ने का अनुमान है। स्टरलाइट कॉपर के बंद होने के बाद से भारत इस धातु का शुद्ध आयातक बन गया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इससे पहले लगभग दो दशकों तक देश तांबे का शुद्ध निर्यातक था। यह पैसा ग्रीनफील्ड प्लांट के पहले चरण के हिस्से के रूप में सालाना 0.5 मिलियन टन (एमटीपीए) की तांबा शोधन क्षमता स्थापित करने में खर्च होगा। दो चरणों में कुल 1 एमटीपीए की क्षमता प्राप्त करने का लक्ष्य रखा गया है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही आईटी , बैंक और एफएमसीजी कंपनियों के शेयरों में अच्छी खरीददारी से भी बाजार ऊपर आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 433.30 अंक करीब 0.82 फीसदी की बढ़त के साथ ही 53,161.28 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 132.80 अंक तकरीबन 0.85 फीसदी की बढ़त के साथ ही 15,800 अंक के स्तर को पार करते हुए 15,832.05 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों में लार्सन एंड टुब्रो, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, इंडसइंड बैंक, एशियन पेंट्स, भारती एयरटेल और टाटा स्टील के शेयर ऊपर आये। वहीं, दूसरी ओर कोटक महिंद्रा बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और टाइटन के शेयर गिरे हैं।

कारोबार के दौरान ओएनजीसी, कोल इंडिया, एलएंडटी,एचसीएल टेक्नोलॉजी और टेक महिन्द्र के शेयरों को लाभ हुआ। वहीं इशर मोटर्स , अपोलो हॉस्पीटल , एचडीएफसी लाइफ, रिलायंस इंडस्ट्रीज और कोटक् महिन्द्र बैंक के शेयर गिरे हैं। इससे पहले शुक्रवार को भी बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था। वहीं एशियाई और अमेरिकी शेयर बाजार में भी तेजी आई है। एशिया के अन्य बाजारों में जापान का निक्की, हांगकांग का हैंगसेंग, चीन का शंघाई कंपोजिट और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी भी बढ़त के साथ बंद हुआ जबकि यूरोपीय बाजार दोपहर के कारोबार में लाभ में थे। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.13 फीसदी गिरकर 112.93 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर आ गया।

हीरो लेक्ट्रो की ई-साइकिलों के दाम 15,000 रुपये तक कम किए

मुंबई ।

हीरो साइकिल्स लिमिटेड के इलेक्ट्रिक साइकिल ब्रांड हीरो लेक्ट्रो ने कहा कि नई ईवी (इलेक्ट्रिक वाहन) नीति लागू होने के बाद दिल्ली में उसके पांच उत्पादों के दाम 15,000 रुपये तक घट जाएंगे। हीरो लेक्ट्रो ने कहा कि दिल्ली सरकार की इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति में इलेक्ट्रिक साइकिल को भी सब्सिडी एवं कर छूट दिए जाने से उसके सी6, सी8आई, एफ6आई और सी5 संस्करणों की कीमतों में 7,500 रुपये की कटौती होगी। वहीं उसके कार्गो संस्करण कार्गो विन की कीमत में 15,000 तक की कमी आएगी। इस संस्करण की प्रभावी कीमत 34,999 रुपये होगी। हीरो साइकिल्स के निदेशक आदित्य मुंजाल ने कहा, सब्सिडी समर्थन मिलने से ई-साइकिल अधिक किफायती होने के साथ ही समाज के बड़े तबके की पहुंच में आ जाएगी।'' उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार की तरफ से दिए गए समर्थन से लोग ई-साइकिल के इस्तेमाल के लिए अधिक प्रोत्साहित होंगे जिससे राजधानी में आवागमन का टिकाऊ एवं हरित विकल्प मिलेगा।

सेबी 29 जुलाई को करेगा उत्कर्ष प्लॉटर्स की 23 संपत्तियों की नीलामी

मुंबई । भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) इस साल 29 जुलाई को उत्कर्ष प्लॉटर्स एंड मल्टी एग्रो सॉल्यूशंस इंडिया लिमिटेड की 23 संपत्तियों की नीलामी करेगा। सेबी ने कंपनी द्वारा निवेशकों से गैरकानूनी तरीके से जुटाए गए धन की वसूली के लिए यह कदम उठाया है। सेबी ने एक अधिसूचना में कहा कि नीलाम की जाने वाली संपत्तियों में कंपनी की महाराष्ट्र में खेती की जमीन का टुकड़ा, प्लॉट और आवासीय स्थल शामिल हैं। सेबी ने कंपनी और उसके निदेशकों दीपाली मीठाराम गुरव, मीठाराम छगन गुरव, प्रवीण छगन गुरव के खिलाफ वसूली कार्रवाई की तहत इन संपत्तियों की नीलामी के लिए बोलियां आमंत्रित की हैं। सेबी के अनुसार, संपत्तियों की नीलामी ऑनलाइन माध्यम से 29 जुलाई को 10:30 से 5:30 के बीच की जायेगी। इन 23 संपत्तियों की नीलामी के लिए आरक्षित मूल्य 4.6 करोड़ रुपये तय किया गया है। सेबी ने ई-नीलामी के लिए एड्रॉयट टेक्निकल सर्विसेज की नियुक्ति की है। कंपनी ने जनता से सामूहिक निवेश योजनाओं (सीआईएस) के नाम पर धन जुटाया था। इसके लिए कंपनी के पास सेबी का पंजीकरण नहीं था।

रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण भारत का डायमंड उद्योग की टूटी कमर, 50 हजार से ज्यादा कारीगर बेरोजगार हुए

नई दिल्ली ।

रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण भारत का डायमंड उद्योग बुरी तरह प्रभावित हुआ है। देश में डायमंड उद्योग का प्रमुख केंद्र गुजरात का सूरत शहर है, जहां उद्योगों के ठप होने 50 हजार से ज्यादा कारीगर बेरोजगार हुए हैं। भारत का हीरा उद्योग पूरी तरह आयात पर टिका हुआ है। सूरत में 65 फीसदी रफ डायमंड का आयात सिर्फ रूस से होता है। यूक्रेन के साथ युद्ध के बाद रूस से कमोडिटी का आयात बुरी तरह प्रभावित हुआ, जिसमें हीरे का आयात भी शामिल है। युद्ध के बाद से अब तक देश में रफ डायमंड का आयात 29 फीसदी घटा है। जिससे 50 हजार से ज्यादा कारीगर बेरोजगार हुए हैं, इन कामगारों के वेतन में भी कटौती की जा रही है। भारत हर साल रूस से करीब 75 हजार करोड़ रुपये का रफ डायमंड आयात करता है। भारतीय रत्न एवं आभूषण संवर्द्धन परिषद का कहना है कि आयात किए गए रफ डायमंड को सूरत, उत्तरी गुजरात और सौराष्ट्र में पॉलिश किया जाता है। उद्योगों के पास रफ डायमंड का पुराना स्टॉक अब खत्म हो चुका है। आयात भी लगातार घट रहा जिसमें अभी तक 29 फीसदी की कमी आ चुकी है। इसके बाद कारखाने बंद होने लगे जिससे 50 हजार से ज्यादा कारीगर

बेरोजगार हुए हैं। गुजरात में हीरा तराशने और पॉलिश करने की करीब 8,000 यूनिट हैं. यहां पॉलिश हुए डायमंड अमेरिका, यूएई और हांगकांग में जाते हैं, जिसमें अमेरिका सबसे बड़ा खरीदार है। अगर सिर्फ सूरत की बात करें तो यहां रूस से आयात किए जाने वाले कुल रफ डायमंड का 65 फीसदी आता है। इसके बाद आयात में कमी आने का सबसे ज्यादा असर यहां के कारीगरों पर पड़ा है। गुजरात में दुनिया का 90 फीसदी हीरा पॉलिश अथवा तराशा जाता है। यहां से करीब 24 अरब डॉलर का हीरा निर्यात हर साल होता है, जिसमें से 40 फीसदी अमेरिका खरीदता है। अमेरिका और जी7 देशों ने रूस से सोना आयात पर भी प्रतिबंध लगा दिया है। इससे आने वाले समय में सोने की कीमतों में जबरदस्त उछाल आएगा है। वैसे रूस से सबसे ज्यादा यानी करीब 90 फीसदी सोना सिर्फ ब्रिटेन खरीदता है, जिसने मार्च में ही अपना आयात रोक दिया। एक्सपर्ट का मानना है कि जल्द ही इसका हल नहीं निकाला, तब हीरा उद्योग की तरह ही सराफा कारोबारियों पर भी रूस के संकट का असर पड़ेगा।

इतना ही नहीं जी7 देशों की ओर से रूस पर नए प्रतिबंध लागू करते ही ग्लोबल मार्केट में क्रूड के दाम भी बढ़ने शुरू हो चुके है। आज दिन में ही ब्रेंट क्रूड करीब दो डॉलर चढ़कर 113 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गया। 30 जून को ओपेक व अन्य सहयोगी देशों की बैठक होने वाली है, जिसमें उत्पादन बढ़ाने पर सहमति न बनी तब क्रूड के दाम और महंगे हो सकते हैं।

गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध के बाद भी भारत ने करीब एक दर्जन देशों को 18 लाख टन खाद्यान्न का निर्यात किया

नई दिल्ली ।

गत 13 मई को गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने के बाद भारत ने बांग्लादेश और अफगानिस्तान सहित करीब एक दर्जन देशों को 18 लाख टन खाद्यान्न का निर्यात किया है। केंद्रीय खाद्य सचिव सुधांशु पांडेय ने इसकी जानकारी देकर कहा है कि 50,000 टन निर्यात की प्रतिबद्धता के तहत अफगानिस्तान को मानवीय सहायता के रूप में लगभग 33,000 टन गेहूं की आपूर्ति की जा चुकी है। पांडेय ने कहा कि भारत ने हमेशा दुनिया की जरूरतों को ध्यान में रखा है। आधिकारिक बयान के अनुसार पांडेय ने कहा कि भारत ने अपनी 1.38 अरब आबादी की खाद्य जरूरतों को पूरा करने के साथ ऐसा किया है। सचिव ने कहा, यह बताना महत्वपूर्ण है कि भारत सरकार द्वारा हाल ही में गेहूं के निर्यात को नियमित करने का फैसला घरेलू उपलब्धता के साथ ही कमजोर देशों में उपलब्धता की रक्षा के लिए लिया गया था, जिनकी आपूर्ति बाजार की ताकतों द्वारा सुनिश्चित नहीं की जा सकती।'' उन्होंने कहा कि भारत ने सरकार-से-सरकार व्यवस्था के जरिए पड़ोसी देशों और खाद्यान्न की कमी वाले देशों की वास्तविक जरूरतों को पूरा करने की अपनी प्रतिबद्धता को कायम रखा है। इसके अलावा पहले से की गई आपूर्ति प्रतिबद्धताओं को भी पूरा किया गया। पांडेय ने बताया कि विनियमन के बाद चालू वित्त वर्ष में 22 जून तक 18 लाख टन गेहूं का निर्यात अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, इजराइल, इंडोनेशिया, मलेशिया, नेपाल, ओमान, फिलीपींस, कतर, दक्षिण कोरिया, श्रीलंका, सूडान, स्विट्जरलैंड, थाईलैंड, यूएई, वियतनाम और यमन सहित विभिन्न देशों को किया गया।

ब्रिटेन, ईयू के साथ एफटीए घरेलू निर्यातकों के लिए नए अवसर खोलेगा: फियो

तिरुपुर ।

ब्रिटेन, यूरोपीय संघ (ईयू) और खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) सहित अन्य प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) से इन बाजारों में भारत के निर्यात को बढ़ावा देने के नए अवसर खुलेंगे। फियो के अध्यक्ष ए शक्तिवेल ने यह जानकारी दी। भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) ने कहा कि सरकार की इस पहल से देश को बेहतर निर्यात दर हासिल करने में मदद मिलेगी। शक्तिवेल ने कहा, ब्रिटेन, ईयू, जीसीसी आदि के साथ निर्यात के लिए चल रही बातचीत से भारतीय निर्यातकों के लिए नए अवसर खुलेंगे।जीसीसी की स्थापना 1981 में हुई थी। इसके छह सदस्य संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सऊदी अरब, कतर, ओमान, कुवैत और बहरीन हैं। भारत इन देशों और ब्लॉकों के साथ एफटीए पर सक्रिय रूप से बातचीत कर रहा है। यूरोपीय संघ का एक प्रतिनिधिमंडल प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार और निवेश समझौते पर भारतीय अधिकारियों के साथ बातचीत करने के लिए नई दिल्ली आया है। आठ साल से अधिक के अंतराल के बाद भारत और यूरोपीय संघ ने 17 जून को प्रस्तावित समझौते पर औपचारिक रूप से बातचीत फिर शुरू की। भारत ने 2007 में 27 देशों के ब्लॉक के साथ द्विपक्षीय व्यापार और निवेश समझौते (बीटीआईए) पर बातचीत शुरू की थी, लेकिन यह वार्ता 2013 में ठप हो गई थी।

स्पाइसजेट दे रहा अपने ग्राहकों को दे रहा 25 प्रतिशत की छूट

नई दिल्ली ।

स्पाइसजेट एयरलाइन अपने ग्राहकों के लिए खास ऑफर दे रही है। कंपनी ऐड-ऑन सर्विसेज पर 25 फीसदी छूट दे रही है। यह ऑफर 30 सितंबर, 2022 तक वैलिड है। यह ऑफर स्पाइसमैक्स, सीट, प्रायोरिटी चेक इन, प्रीफर्ड बैग आउट जैसे ऐड-ऑन प्रॉडक्ट्स पर उपलब्ध है। केवल कंपनी की बेवसाइट से की गई ऑनलाइन बुकिंग के साथ-साथ ऐड-ऑन सर्विसेज खरीदने पर इस छूट का फायदा उठाया जा सकता है। यह ऑफर वन वे और राउंड ट्रिप बुकिंग के लिए उपलब्ध है। कंपनी का कहना है कि इस ऑफर को किसी दूसरी स्कीम के साथ क्लब नहीं किया जा सकता है। स्पाइसजेट का कहना है कि इस ऑफर का फायदा उठाने के लिए बुकिंग करते समय प्रोमो कोड एडओन 25 आवेदन करना होगा। इसके तहत केवल बुकिंग करते समय खरीदे जाने वाले ऐड-ऑन प्रॉडक्ट्स पर 25 फीसदी छूट मिलेगी। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों तरह की उड़ानों में इस ऑफर का फायदा उठाया जा सकता है। कंपनी का कहना है कि उसके पास किसी भी समय इस ऑफर को संशोधित, कैंसल या विदड्रॉ करने का अधिकार है। कच्चा तेल महंगा होने के कारण हाल में हवाई टिकटों की कीमत में काफी बढ़ोतरी हुई है। लेकिन

इसके बावजूद घरेलू यात्रियों की संख्या में काफी तेजी आई है। मई महीने में हवाई यातायात पांच गुना बढ़ गया है। नागर विमानन महानिदेशालय के आंकड़ों के अनुसार मई 2021 में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या केवल 21 लाख थी जो इस साल मई में बढ़कर 1.20 करोड़ पहुंच गई। यानी पिछले साल के मुकाबले घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या में पांच गुना इजाफा हुआ है।

टाटा प्ले ने होम सिक्योरिटी सॉल्यूशन श्रेणी में कदम रखा

मुंबई ।

टाटा प्ले ने होम सिक्योरिटी सॉल्यूशन श्रेणी में कदम रख दिया है। कंपनी ने गूगल के साथ पार्टनरशिप करके नेस्टकोम (बैटरी) को भारत में लांच किया है। इस कैमरे से यूजर्स अपने घर और ऑफिस पर नजर रख पाएंगे। बेहतर यूजर एक्सपीरियंस देने के लिए गूगल नेस्ट कॉम (बैटरी) टाटा प्ले के सैटेलाइट बेस्ड प्लेटफॉर्म का यूज करेगा। टाटा प्ले ने कैमरे के साथ दो सिक्योरिटी सॉल्यूशन टाटा प्ले सोयर और टाटा प्ले शोयर प्लस को भी पेश किया है। गूगल नेस्ट कॉम (बैटरी) को 11,999 रुपये में पेश किया गया है। इस टाटा प्ले की वेबसाइट से खरीदा जा सकता है। इस डिवाइस को सिंगल स्नो कलर ऑप्शन में पेश किया गया है। गूगल के ये सिक्योरिटी कैमरे टाटा प्ले जो पैकज देगा उस पर काम करेंगे. टाटा प्ले शोयर प्लस सर्विस में नेस्ट कॉम और सालभर का नेस्ट अवेर सब्सक्रिप्शन फ्री दिया जाएगा। इस पैकेज में फैमिलियर फेस डिटेक्शन और 60 दिन तक वीडियो हिस्ट्री शामिल है। लांच के पहले फेज में टाटा प्ले सब्सक्राइबर्क को 10 शहरों में ये सर्विस मिलेगी। इसमें मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पुणे, हैदराबाद, चेन्नई, बैंगलोर, कोलकाता, दिल्ली एनसीआर, लखनऊ और जयपुर शामिल हैं।

नेस्ट अवेर सर्विस को नेस्ट कॉम (बैटरी) के साथ बेचा जाएगा। इसका बेसिक प्लान 3000 रुपये से शुरू होता है। जबकि प्रीमियम प्लान का सालभर वाला प्लान 5000 रुपये का है। ये अल्ट्रानेटिव होम सिक्योरिटी सॉल्यूशन है। ये सर्विस सब्सक्राइबर्स के लिए 28 जून से उपलब्ध होगी। गूगल नेस्ट कॉम में एडवांस फीचर्स जैसे परर्सन/ऐनिमल/वाहन अलर्ट, ऑन डिवाइस प्रोसेसिंग, टू-वे कम्युनिकेशन बिल्ट इन माइक्रोफोन और स्पीकर के साथ दिया गया है। ये वेदर रेसिस्टेंस और दूसरे फीचर्स के साथ आता है। नेस्ट कॉम में बैटी पावर्ड का ऑप्शन मिलेगा, इससे ये वाईफाई या पावर आउटेज होने पर भी रिकॉर्ड कर सकता है। ये सिक्योरिटी कैमरा वीडियो फुटेज को एचडी रेज्योलूशन में रिकॉर्ड कर सकता है।

2,500 करोड़ रुपये के शेयर बायबैक करेगी बजाज ऑटो

मुंबई ।

शेयर बाजार में कंपनियों द्वारा शेयर्स के बायबैक पर नजर रखने वाले निवेशकों के लिए एक अच्छी खबर है। बाइक और थ्री-व्हीलर बनाने वाली भारतीय कंपनी बजाज ऑटो ने 2,500 करोड़ रुपये के शेयर बायबैक करने की घोषणा की है। कंपनी प्रति शेयर 4,600 रुपये (अधिकतम) में बायबैक करेगी। यह खबर आने के बाद बजाज ऑटो का स्टॉक खूब भागा, लेकिन बाजार बंद होने तक लगभग 1.25 फीसदी की गिरावट के साथ 3861.20 रुपये पर बंद हुआ।

भारत की बड़ी ऑटो मेकर कंपनी ने इसी महीने शेयर बायबैक को लेकर अपनी मंशा जाहिर की थी। इसके बाद बोर्ड की मीटिंग सोमवार को होनी थी। आज हुई बैठक में बायबैक के फैसले पर मुहर लगा दी गई है। बजाज ऑटो ने इसके बारे में एक एक्सचेंज फाइलिंग में जानकारी दी। बता दें कि इससे पहले कंपनी 22 साल पहले यानी साल 2000 में शेयर बायबैक लेकर आई थी। उस दौरान शेयरहोल्डर्स ने 18 मिलियन इक्विटी शेयरों के बायबैक की मंजूरी दी थी। साथ ही प्रत्येक शेयर की कीमत 400 रुपये तय की गई थी। बजाज ऑटो ने अपने शेयर बायबैक की जानकारी देकर एक्सचेंज को बताया कि हम आपको सूचित करना चाहते हैं कि कंपनी (बोर्ड) के निदेशक मंडल ने सोमवार को आयोजित बैठक में कंपनी के फुली-पेड इक्विटी शेयरों के बायबैक के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, जिनका मौजूदा फेस वेल्यू 10/- प्रति शेयर है। कंपनी स्टॉक एक्सचेंज मैकेनिज्म के माध्यम से खुले बाजार से कंपनी के शेयरधारकों से 4,600/- प्रति इक्विटी शेयर से अधिक नहीं देते हुए कुल 2,500 करोड़ के शेयर बायबैक करेगी। यह कुल चुकता शेयर के कुल 9.61 प्रतिशत और 8.71 प्रतिशत होगा। कंपनी ने कहा कि वापस खरीदे जाने के लिए प्रस्तावित शेयरों की अधिकतम संख्या 54,34,782 इक्विटी शेयर (प्रस्तावित बायबैक शेयर) होगी, जिसमें 27 जून 2022 तक कंपनी की चुकता शेयर पूंजी का लगभग 1.88 प्रतिशत शामिल है।

जोमैटो के बोर्ड ने ब्लिंकिट को खरीदने की दी मंजूरी, शेयर 6 फीसदी तक टूटे

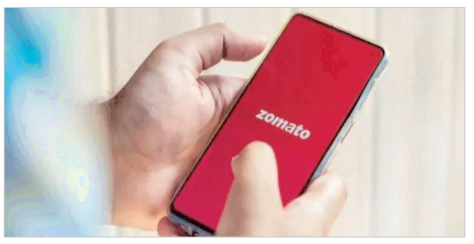

मुंबई ।

ऑनलाइन फूड डिलीवरी फर्म जोमैटो के बोर्ड ने ऑनलाइन ग्रॉसरी कंपनी ब्लिंकिट को खरीदने की शुक्रवार को मंजूरी दी थी। लेकिन, डील का जोमैटो के शेयर पर सोमवार को नकारात्मक असर दिखाई दिया है। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को दोपहर तक ही जोमैटो के शेयरों में समाचार लिखे जाने तक 6.10 फीसदी की गिरावट आ चुकी थी। ब्लिंकिट के अधिग्रहण की डील 4,447.48 करोड़ रुपये में हुई है। क्विक कॉमर्स बिजनेस को बढ़ाने के लिए जोमैटो ने यह कदम उठाया है। बता दें कि ब्लिंकिट को पहले ग्रोफर्स के नाम से जाना जाता और ब्लिंकिट में पहले से ही जोमैटो की 8-9 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। डील की शर्तों के मुताबिक, ब्लिंकिट की सबसे बड़ी शेयरहोल्डर सॉफ्टबैंक को जौमैटो के 28.71 करोड़ शेयर मिलने वाले हैं। वहीं टाइगर ग्लोब को जोमैटो के 12.34 करोड़ शेयर, बीसीसीएल को 1.5 करोड़ शेयर और साउथ कोरियन निवेशक डोल को 3.66 करोड़ शेयर मिलने हैं।

जोमैटो के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने शुक्रवार को ही सौदे को मंजूरी दी थी। सोमवार को जोमैटो के शेयर तेजी से साथ खुले। खुलने के कुछ समय बाद ही इनमें 3 फीसदी की तेजी आई! लेकिन, यह तेजी बरकरार नहीं रही और शेयरों में गिरावट शुरू हो गई और 6 फीसदी तक गिर गए। जोमैटो के शेयर पिछले छह महीनों में 50 फीसदी गिर चुके हैं। वहीं, वर्ष 2022 में अब तक यह स्टॉक 53 फीसदी लुढ़क चुका है। पिछले कुछ दिनों में इस शेयर में तेजी देखी जा रही थी। लेकिन सोमवार को उस तेजी पर ब्रेक लग गया।

दूसरे टी20 में आयरलैंड को हराकर सीरीज जीतने उतरेगी भारतीय टीम

मालहिडे (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम मंगलवार को आयरलैंड के खिलाफ दूसरे ओर अंतिम टी20 मैच को जीतकर सीरीज अपने नाम करने उतरेगी। भारतीय टीम ने पहले टी20 को सात विकेट से जीता था ऐसे में वह 1-0 से आगे है। हार्दिक पंड्या की कप्तानी में उतरी इस युवा भारतीय टीम की ओर से पहले मैच में स्पिनर यजुवेन्द्र चहल और दीपक हुड्डा ने शानदार प्रदर्शन किया था। जिसे ये खिलाड़ी इस मैच में भी बनाये रखना चाहेंगे। बारिश के कारण पहले मैच में ओवर कम कर दिये थे। अब मंगलवार के मैच में भी बारिश की बाधा पड़ने की आशंका है।

पहले मैच में भारतीय टीम के बल्लेबाज रूतुराज गायकवाड़ फिट नहीं होने के कारण बल्लेबाजी नहीं कर पाये थे और अगर वह फिट नहीं हो पाते तो उनकी जगह किसी अन्य को उतारा जाएगा। अगले महीने इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज को देखते हुए इस टीम में शामिल सभी खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर खींचना चाहेंगे। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज उमरान मलिक इस मैच में बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे क्योंकि पहले मैच में वह नाकाम रहे थे।

कप्तान पांड्या का कहना है कि उमरान पुरानी गेंद से बेहतर गेंदबाजी करता है , इसलिए उसे पावरप्ले के बाद अवसर दिया गया। वहीं अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर ने पहले मैच में अपनी स्विंग गेंदबाजी से आयरलैंड के बल्लेबाजों पर अंकुश लगा दिया था। इसके साथ ही वह पावर प्ले में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी बने थे , इस सिलसिले को वह आगे भी बनाये रखना चाहेंगे। उमरान के अलावा युवा गेंदबाज आवेश खान भी डैथ ओवरों में प्रभावी नहीं रहे थे। ऐसे में वह भी इस मैच में अच्छा प्रदर्शन करना चाहेंगे।

भारतीय गेंदबाजों के लिए इस मैच में आयरलैंड के बल्लेबाज हैरी टेक्टर पर अंकुश लगाना आसान नहीं होगा। हैरी ने पहले मैच में कठिन हालातों के बीच भी 33 गेंद पर नाबाद 64 रन बनाकर अपनी टीम को सम्मान जनक स्कोर तक पहुंचाया था। इस बल्लेबाज ने उमरान की गेंदों को जमकर पीटा था। हैरी की हार्दिक ने भी जमकर तारीफ करते हुए कहा था कि वह इस बल्लेबाज को आईपीएल में खेलते हुए देखना चाहते हैं। पहले मैच में आयरलैंड के बल्लेबाजों ने ठीक ठाक खेला था पर उसके गेंदबाज विफल रहे थे। अब इस मैच में अगर उसे जीत दर्ज करनी है तो बेहतर गेंदबाजी करनी होगी।

दोनो ही टीमें इस प्राकर हैं

भारतः हार्दिक पंड्या (कप्तान), भुवनेश्वर कुमार, ईशान किशन, रुतुराज गायकवाड़, संजू सैमसन, सूर्यकुमार यादव, वेंकटेश अय्यर, दीपक हुड्डा, राहुल त्रिपाठी, दिनेश कार्तिक, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, हर्षल पटेल, अवेश खान, अर्शदीप सिंह, उमरान मलिक।

आयरलैंडः एंड्रयू बालबर्नी (कप्तान), मार्क अडायर, कर्टिस कैंपर, गैरेथ डेलानी, जॉर्ज डॉकरेल, स्टीफन डोहेनी, जोश लिटिल, एंड्रयू मैकब्राइन, बैरी मैकार्थी, कॉनर ओल्फर्ट, पॉल स्टर्लिंग, हैरी टेक्टर, लोर्कन टकर, क्रेग यंग।

पहले मैच में मेजबाज टीम के गेंदबाज लय में नहीं थे जिससे भारतीय बल्लेबाज बिना किसी दबाव के आक्रामक बल्लेबाजी करने में सफल रहे थे। अब मेजबान टीम का लक्ष्य भारतीय टीम की सलामी जोड़ी हार्दिक और हुड्डा को शुरुआत में ही पेवेलियन भेजना रहेगा।

चमारी अट्टापट्टू ने ठोके 80 रन, श्रीलंका ने जीता तीसरा टी-20, भारत ने सीरीज

दांबुला (एजेंसी)।

रंगिरी दांबुला इंटरनेशनल स्टेडियम में आखिरकार श्रीलंका को राहत मिली। भारत के खिलाफ खेला गया तीसरा टी-20 श्रीलंका ने चमारी अट्टापट्टू के नाबाद 80 रनों की बदौलत जीत लिया। भारत तीन मैचों की सीरीज के पहले दो मुकाबले जीतकर पहले ही सीरीज जीत चुका है। टीम इंडिया ने पहले खेलते हुए 138 रन बनाए थे।

इससे पहले कप्तान हरमनप्रीत कौर (39 *) और जेमिमाह रोड्रिग्स (33) की ठोस पारियों के साथ भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 138/5 रन बनाए थे। सलामी बल्लेबाज शैफाली वर्मा (5) के जल्द आऊट हो जाने के बाद स्मृति मंधाना और सब्भिनेनी मेघना ने 43 रनों की साझेदारी की। उसके बाद से कप्तान कौर और रोड्रिग्स ने 65 रनों की ठोस साझेदारी की और टीम का स्कोर 100 पार लगाया।

जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरूआत खराब रही। पहले ही ओवर में सलामी बल्लेबाज विशमी गुणरत्ने 5 रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। कप्तान चमारी ने हर्षिता मडवी के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया। मडवी 14 गेंदों में 13 रन बनाकर आउट हो गईं। इसके बाद नीलाक्षी डि सिल्वा क्रीज पर आई और कुछ अच्छे शॉट लगाए। दोनों ने 12वें ओवर में एक चौके के साथ 50 रन की साझेदारी की। सिल्वा ने 28 गेंदों पर 30 रन बनाए। कविशा दिलहारी ने सात रन बनाए तो दूसरे छोर से चमारी ने टीम को जीत दिला दी।

रणजी विजेता मप्र टीम को इनामी राशि के तौर पर कुल चार करोड़ रुपये मिले

मुंबई (एजेंसी)।

मध्यप्रदेश क्रिकेट टीम को रणजी ट्रॉफी में मिली खिताबी जीत के बाद इनाम के तौर पर बीसीसीआई की ओर से 2 करोड़ रुपये मिले है। वहीं उपविजेता मुंबई की टीम को भी एक करोड़ रुपये मिले हैं। मप्र के शुभम शर्मा को प्लेयर ऑफ द मैच के लिए 25 हजार रुपये का इनाम मिला। वहीं, पूरे सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले मुंबई के बल्लेबाज सरफराज खान को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट के लिए एक लाख रुपये मिले हैं। मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन ने भी पहली बार रणजी ट्रॉफी जीतने पर राज्य की टीम को 2 करोड़ रुपये इनाम देने की घोषणा की हैं। इस प्रकार मप्र टीम को कुल चार करोड़ रुपये का इनाम मिला है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई की वर्किंग कमेटी ने 2009 में रणजी ट्रॉफी इनाम राशि बढ़ाकर 2 करोड़ रुपये की थी। वहीं, उपविजेता को मिलने वाली इनामी राशि भी 1 करोड़ रुपये की गई थी। इसके बाद से ही 13 साल बाद भी इनामी राशि नहीं बढ़ायी गयी है। पहले रणजी ट्रॉफी के उपविजेता को 30 लाख रुपये मिलते थे जबकि चैम्पियन टीम को 60 लाख रुपये इनाम के तौर पर मिलते थे जबकि सेमीफाइनल खेलने वाली टीमों को 50 लाख की इनामी राशि मिलती थी।

बांग्लादेश को पारी की हार टालने 42 रनों की जरुरत

ग्रोस आइलेट (एजेंसी)।

वेस्टइंडीज ने दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में बांग्लादेश पर अपना शिकंजा कस दिया है। केमार रोच सहित वेस्टइंडीज के गेंदबाजों के सामने बांग्लादेश की टीम टिक नहीं पायी और तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में छह विकेट पर 132 रन ही बना पायी। इस प्रकार पहली पारी के आधार पर वह अभी भी मेजबान टीम से 42 रन ही पीछे है। बांग्लादेश ने पहली पारी में 234 रन बनाये थे जबकि वेस्ट इंडीज की टीम ने 408 रन।

रोच ने दूसरी पारी में 10 ओवर में 32 रन देकर तीन विकेट लिए। बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाज तामिम इकबाल को चार रनों पर ही पेवेलियन भेजकर रोच ने अपने 250 विकेट पूरे किये। अब वह वेस्टइंडीज के लिये सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में छठे स्थान पर पहुंच गये हैं।

रोच ने बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाज महमूदुल्लाह हसन जॉय को 13 और अनामुल हक को केवल चार रनों पर ही आउट कर दिया। वहीं नजमुल हुसैन शंटो ने सबसे ज्यादा 42 रन बनाए और वह अलजारी जोसेफ की गेंद पर आउट हुए। इससे पहले वेस्टइंडीज ने पांच विकेट पर 340 रनों से आगे खेलते हुए अपनी पहली पारी में 408 रन बनाये। काइल मायर्स 146 रन बनाकर शरीफुल इस्लाम की गेंद पर पेवेलियन लौटे।

योगेश्वर दत्त का दावा- राष्ट्रमंडल खेल में 8-9 स्वर्ण सहित सभी वर्गों में जीतेंगे

नई दिल्लीः ओलिम्पिक के कांस्य पदक विजेता पहलवान योगेश्वर दत्त ने कहा है कि भारत आगामी बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के कुश्ती मुकाबलों में 8-9 स्वर्ण सहित सभी 12 वजन वर्गों में पदक जीतेगा। योगेश्वर ने रविवार रात इंडियन स्पोर्ट्स फैन अवार्ड 2022 के समारोह में कहा कि मुझे पूरी उम्मीद है कि कुश्ती के फ्री स्टाइल और महिला के सभी 12 वजन वर्गों में भारत के पदक आएंगे जिनमें से 8-9 स्वर्ण पदक होंगे। कुश्ती से संन्यास के बाद भी पूरी तरह से फिट नजर आ रहे योगेश्वर ने कहा कि फिट रहना सभी की जिंदगी का एक हिस्सा होना चाहिए। मैं कुश्ती से अलग हो चुका हूं लेकिन अब भी रोजाना 3-4 घंटे ट्रेनिंग करता हूं।

भुवनेश्वर पावरप्ले में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने

डुबलिन। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने यहां आयरलैंड के खिलाफ हुए पहले ही टी20 में अपनी शानदार गेंदबाजी से एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया। भुवनेश्वर टी20 अंतराष्ट्रीय क्रिकेट के पावरप्ले में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने हैं। उन्होंने आयरलैंड के खिलाफ मुकाबले के पहले ही ओवर में एंड्रयू बालबर्नी को आउट किया। यह टी20 इंटरनेशनल मैच के पावरप्ले में भुवेश्वर का 34वां विकेट था। इस प्रकार वह पावरप्ले में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने हैं। इसके अलावा इस मैच में भुवनेश्वर की एक गेंद की रफ्तार 208 किमी प्रति घंटा मापी गई जो विश्व में सबसे अधिक है। विश्व में सबसे तेज गेंद फेंकने वाले शोएब अख्तर का रिकार्ड भी 170 किमी प्रति घटे से अधिक नहीं है। आज तक कोई भी गेंदबाज इतनी गति से गेंद नहीं फेंक पाया है। ऐसे में पता चला कि भुवनेश्वर की इस तेज रफ्तार गेंद के पीछे स्पीडोमीटर में आई तकनीकी गड़बड़ी रही है। भुवनेश्वर ने मैच का पहला ओवर फेंका था और इस ओवर की पहली गेंद की रफ्तार ही स्पीडोमीटर ने 201 किमी प्रति घंटा बताई जिससे सभी हैरान रह गये। इसी ओवर में ही स्पीडोमीटर ने एक बार फिर भुवनेश्वर की गेंद की एक गेंद की रफ्तार 208 किमी प्रति घंटा बता डाली। बाद में पता चला कि स्पीडोमीटर में आई तकनीकी गलती के कारण ऐसा हुआ।

रोहित शर्मा के कवर के तौर पर इंग्लैंड में भारतीय टेस्ट टीम से जुड़ेंगे मयंक अग्रवाल

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल को कप्तान रोहित शर्मा के कवर के तौर पर इंग्लैंड के खिलाफ एडबस्टन टेस्ट के लिये भारतीय टीम में शामिल किया गया है। कोरोना पॉजिटिव पाये जाने के कारण रोहित का इस टेस्ट में खेलना संदिग्ध है। लीसेस्टरशर के खिलाफ ड्रॉ रहे अभ्यास मैच में रोहित पहले दिन खेले थे लेकिन उसके बाद से पृथकवास पर है। रैपिड एंटीजेन टेस्ट में उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। मयंक को एक जुलाई से शुरू हो रहे टेस्ट में 15 सदस्यीय टीम में जगह नहीं मिली थी।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला से पहले केएल राहुल के चोटिल होने और अब रोहित के कोरोना संक्रमित होने के कारण उन्हें मौका मिला है। बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा ,'' मयंक आज रोहित के कवर के तौर पर रवाना हो रहे हैं और जरूरत पड़ने पर टेस्ट मैच के लिये उपलब्ध रहेंगे। ब्रिटेन के कोविड प्रोटोकॉल के अनुसार आरटी पीसीआर टेस्ट नेगेटिव आने पर पृथकवास में रहने की जरूरत नहीं है।''

पांचवां टेस्ट पिछले साल अधूरी रह गई श्रृंखला का निर्णायक टेस्ट भी है। भारतीय खेमे में कोरोना संक्रमण के मामले आने के कारण पांचवां टेस्ट स्थगित कर दिया गया था। भारत श्रृंखला में 2 . 1 से आगे है। मयंक ने अभी तक 21 टेस्ट में 41 . 33 की औसत से 1488 रन बनाये हैं। उन्होंने आखिरी बार मार्च में श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट खेला था।

फीडे कैंडीडेट्स शतरंज - फबियानों को नाकामुरा नें हराया , नेपो की बढ़त हुई मजबूत

मेड्रिड ,स्पेन। फीडे कैंडीडेट 2022 के आठवे राउंड में आए परिणामों नें जहां रूस के यान नेपोमिन्सी को और मजबूत कर दिया है तो दूसरे स्थान को लेकर अब जंग और तेज हो गयी है । सबसे आगे चल रहे रूस के यान नेपोमिन्सी नें चीन के डिंग लीरेन के खिलाफ सफेद मोहरो से स्कॉच ओपनिंग में 37 चालों में ड्रॉ खेलकर अपनी बढ़त को और मजबूत कर लिया ,पर सबसे बड़ा उलटफेर कियाहै यूएसए के हिकारु नाकामुरा नें ,हिकारु नें हमवतन और दूसरे स्थान पर चल रहे फबियानों कारुआना को मात देते हुए प्रतियोगिता को रोचक बना दिया है । सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए नाकामुरा नें राय लोपेज ओपनिंग में कारुआना को 74 चालों तक चले मैराथन मुकाबले में मात दे दी । हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट नें भी पोलैंड के यान डूड्डा को मात देकर प्रतियोगिता में पहली जीत दर्ज की जबकि फ्रांस के अलीरेजा फिरौजा और अजरबैजान के तैमूर रद्जाबोव नें आपस में अंक बाँट लिया । 14 राउंड के टूर्नामेंट में अब सिर्फ 6 और राउंड बाकी है और फिलहाल नेपोमिन्सी 6 अंक, कारुआना 5 अंक , हिकारु 4.5 अंक और रिचर्ड 4 अंक बनाकर खिताबी दौड़ पर बने हुए है ।

भारत के पास टीम में कई ड्रैग फ्लिकर इसीलिए स्थिति है बेहतरः संदीप सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)।

ड्रैग फ्लिक की 'मुश्किल कला' के महारथी माने जाने वाले पूर्व कप्तान संदीप सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय टीम में पेनल्टी कार्नर के कई विशेषज्ञों के उभरने से आने वाले अहम टूर्नामेंटों में भारतीय टीम बेहतर स्थिति में है। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय टीम में हरमनप्रीत सिंह, वरूण कुमार और अमित रोहिदास जैसे बेहतरीन ड्रैग फ्लिकर हैं। तो वहीं संजय, अरिजीत सिंह हुंदल और सुदीप चिरमाको जैसे जूनियर प्रतिभाशाली खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम में जगह मिलने का इंतजार कर रहे हैं।

संदीप ने कहा कि ड्रैग-फ्लिक मुश्किल कौशल है जिसमें में महारत हासिल करने के लिए कई वर्षों के अभ्यास की जरूरत होती है। यह काफी तकनीकी चीज है, जहां आपको शारीरिक ताकत के साथ आपके हाथ तेज चलने चाहिए। उन्होंने कहा कि ड्रैग-फ्लिक में विकल्प होने से किसी भी टीम को फायदा होता है और हम भाग्यशाली हैं कि हमारे पास अब टीम में कई पेनल्टी कार्नर विशेषज्ञ हैं। इससे टीम में विविधता आती है। हरमनप्रीत एक विश्व स्तरीय ड्रैग-फ्लिकर है।

अपने समय में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ ड्रैग फ्लिकरों में शामिल संदीप ने कहा कि मनप्रीत की अगुवाई वाली मौजूदा टीम के पास बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों (सी.डब्ल्यू.जी.) में स्वर्ण पदक का इंतजार खत्म करने का माद्दा है। कुआलालंपुर (1998) राष्ट्रमंडल खेलों में हॉकी को शामिल करने के बाद से ऑस्ट्रेलिया ने सभी 6 स्वर्ण पदक अपने नाम किए है।

भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2010 दिल्ली राष्ट्रमंडल खेलों और 2014 ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतना है। संदीप ने कहा कि भारतीय हॉकी ने काफी विकास किया है। टोक्यो ओलिम्पिक में कांस्य पदक जीत कर टीम ने पुरानी साख को फिर से हासिल किया। उन्होंने कहा कि अगर आप मुझसे पूछे तो मैं मानता हूं कि हम राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण जीत सकते हैं।

गेरेथ बेल ने लॉस एंजिलिस एफसी से करार किया

लॉस एंजिलिस। लॉस एंजिलिस एफसी ने वेल्स के स्टार फारवर्ड गेरेथ बेल के साथ करार किया है। बेल इससे पहले रीयाल मैड्रिड के साथ जुड़े थे लेकिन आगामी सत्र में अमेरिका की मेजर लीग सॉकर (एमएलएल) में खेलते हुए नजर आएंगे। इस करार की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने एपी को यह जानकारी दी। व्यक्ति ने शनिवार को नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर यह जानकारी दी क्योंकि लॉस एंजिलिस एफसी और बेल के बीच 12 महीने के करार को अब तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है। लॉस एंजिलिस की टीम ने इसी महीने इटली के डिफेंडर जॉर्जियो चिलेनी से भी करार किया।

छेत्री ने कोच स्टिमक को सराहा

कोलकाता। भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री ने टीम के कोच इगोर स्टिमक की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह 'सर्वश्रेष्ठ रणनीतिकारों' में से एक हैं। पूर्व क्रोशियाई खिलाड़ी स्टिमक का भारतीय कोच के तौर पर करार सितंबर में खत्म हो रहा है। छेत्री ने कहा कि वह और उनकी टीम स्टिमक के मार्गदर्शन में खेलने को लेकर सहज रही है। छेत्री ने यहां कहा,'' मैंने जितने लोगों के मार्गदर्शन में खेला है उनमें वह सबसे शानदार प्रबंधकों में से एक है। खिलाड़ी उनके साथ काफी सहज रहते हैं। उनसे आसानी से संपर्क किया जा सकता है और सभी के साथ उनका व्यवहार और बातचीत अच्छी रहती है।'' छेत्री ने कहा, '' उन्होंने शीर्ष स्तर पर खेला है, इसलिए खिलाड़ियों की मानसिकता समझते हैं। 'वह ड्रेसिंग रूम' के माहौल को जानते हैं और उन्हें पता है कि युवाओं का मनोबल कैसे बढ़ाया जाता है। इस मामले में वह काफी बेहतर हैं।'' वहीं एशियाई कप 2023 से पहले टीम में सुधार की जरूरतों के बारे में पूछे जाने पर छेत्री ने कहा, ''हमें काफी सुधार करना है। बहुत सारे मैच खेलने होंगे, लंबे शिविर में रहना होगा। हम जिन प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ खेलेंगे उनके खिलाफ पूरी योजना बनानी होगी तभी टीम को जीत मिलेगी।'

रेसर पर गेम से पहले हमला, आंख पर चोट, पट्टी बांधकर रेस भागा, रिकॉर्ड बनाकर जीता गोल्ड

नवई दिल्ली(एजेंसी)।

400 मीटर बाधा दौड़ में राष्ट्रीय चैंपियन बनने से ठीक 20 मिनट पहले फ्रांसीसी एथलीट विल्फ्रेड हैपियो पर रेस से पहले हमला हो गया। 23 वर्षीय केन शनिवार को वार्म-अप कर रहे थे जिस दौरान उनका किसी से विवाद हो गया। इस विवाद में हैपियो की एक आंख चोटिल हो गई। हमलावर हैपियो पर हमला करने के बाद मौके से फरार हो गया लेकिन बाद में उसे पकड़ लिया गया। हैपियो के कोच ओलिवियर वैलेयस ने घटना की निंदा की। ले पेरिसियन ने कहा है कि महासंघ और केन अपराधी के खिलाफ शिकायत देंगे।

आरएमसी स्पोर्ट के अनुसार दौड़ शुरू होने से कुछ क्षण पहले ही हैपियो को खून की खांसी आ रही थी। लेकिन इस सबके बावजूद हैपियो ने खुद को दौड़ के लिए फिट माना। अपने चेहरे के चारों ओर लिपटी एक पट्टी के साथ उन्होंने एक आंख पैच लगाया और ट्रैक पर आ गए। उन्होंने 48.57 सेकंड के साथ रेस जीती फ्रांसीसी नैशनल चैंपियन बन गया। हैपियो अब अगले महीने यूजीन, ओरेगॉन में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में भी हिस्सा लेंगे।

दौड़ के बाद हैप्पियो ने कहा- मैं इस पर ध्यान नहीं देना चाहता। हम इसे सक्षम लोगों पर छोड़ देंगे। दौड़ के बारे में बात करने के लिए, हमने बहुत काम किया। आज हमारी भावनाएं अच्छी थीं। मुझे खुशी है कि मैंने यह रिकॉर्ड बनाया। शारीरिक रूप से अभी ठीक हूं। इस दौरान कोच वालेयस ने कहा- वार्म-अप के दौरान हुई घटना निंदनीय है। किसी ने उन पर छलांग लगाई और उन्हें मारा। वह आदमी वहां आया और पूछा कि क्या यह विल्फ्रेड हैपियो है। मैं हां किया तो वह हैपियो पर टूट पड़ा। उस वक्त दौड़ को 20 मिनट बाकी थी। हम कॉल रूम में जाने के लिए तैयार थे। हम सदमे में हैं। उस आदमी को गिरफ्तार कर लिया गया था। विल्फ्रेठीक है। लेकिन मैं अवाक हूं, यह बड़ी गड़बड़ है। यह अपमानजनक है।

अहमदाबाद समेत चार जिलों में 66 केवी के नवनिर्मित 4 सब स्टेशनों का लोकार्पण, 1 का भूमिपूजन

भरुच । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने हमारी सरकार ने स्पष्टरूप से कहा है कि राज्य के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में भी गुणवत्तायुक्त बिजली देने की प्रतिबद्धता के साथ पिछले 20 दिनों में 22 बिजली सबस्टेशनों का लोकार्पण तथा शिलान्यास किया है। इतना ही नहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दिशादर्शन में आदिवासी क्षेत्रों में पिछले दो दशकों में 277 नए बिजली सबस्टेशन का निर्माण किया है। मुख्यमंत्री भरूच के झगडिया में आयोजित समारोह में एक ही स्थान से एक ही साथ 4 बिजली सबस्टेशनों के लोकार्पण तथा 1 सबस्टेशन के भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री ने भरूच के वालिया में 7.62 करोड़ रुपए की लागत से निर्माण होने वाले 66 के.वी. सबस्टेशन का ई-भूमिपूजन भी किया। कुल 33 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित इस सबस्टेशनों से अहमदाबाद ज़िले के दस्क्रोई, भरूच के झगडिया तथा साबरकांठा के हिम्मतनगर तहसील के 45 गाँवों के कुल 22501 बिजली ग्राहकों तथा 1116 कृषि उपभोक्ता ग्राहकों को मिलाकर कुल 23,617 ग्राहकों को सातत्यपूर्ण तथा गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति प्राप्त होगी। इस कारण आसपास के 10 किलोमीटर क्षेत्र के 9 गाँवों को 2000 बिजली ग्राहकों को बिजली की सुविधा प्राप्त होगी। झगडिया तहसील के वणाकपोर स्थित मिशन मैदान में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री ने राज्य के बिजली क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाने की कटिबद्धता दोहराते हुए कहा कि देश के ग्रोथ इंजन समान गुजरात में विकास की गति प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में विकास की गति को तेज करने के लिए लगातार काम कर रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा जैसी बुनियादी चीजों पर ध्यान केंद्रित करके सभी का विकास करने की मंशा है। उन्होंने कहा कि राज्य के दूरदराज के गाँवों में बिजली की सुविधा पहुँचने से लोगों का जीवन सुविधायुक्त बना है। उन्होंने कहा कि बिजली मानव जीवन में केंद्र स्थान पर है। राज्य सरकार बिजली उत्पादन और वितरण के तरीके में बदलाव कर गुजरात में नए बिजली सबस्टेशनों को संचालित करने का कार्य कर रही है। जिन ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली उपलब्ध है, वहाँ अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएँ पहुँच रही है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि सरकारी अस्पतालों के साथ-साथ निजी मल्टीस्पेशियलिटी अस्पतालों, उद्योगों, कारखाने फले-फूले हैं और रोज़गार के अवसर बढ़े हैं। आज हम कितने आगे निकल गए हैं यह जानने के लिए पीछे मुड़कर देखने आवश्यक है, इस बात का उल्लेख करते हुए वर्तमान के विकासयुक्त तथा भूतकाल की विकट स्थिति का मुख्यमंत्री ने लेखा-जोखा किया। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जब मुख्यमंत्री बने तब उनके पास लोग रात के समय बिजली मुहैया कराने की मांग करते थे। उन्होंने इस समस्या को ज्योतिग्राम योजना के माध्यम से 24 घण्टे बिजली उपलब्ध करने का भगीरथ कार्य किया है। ज्योतिग्राम योजना से दूरदराज के अंधकारमय क्षेत्रों में 24 घण्टे बिजली पहुँचाकर उन क्षेत्रों को रोशन किया है।

भूतकाल में राज्य में विद्युत क्षेत्र की विकट स्थिति का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात राज्य की स्थापना के समय राज्य में केवल 42 सबस्टेशन कार्यरत थे। वर्ष 1960 से 2002 के दौरान 702 सबस्टेशन बने। पूर्व की सरकार में हर वर्ष करीब 16 सबस्टेशन बनते थे, जिसकी तुलना में विकास को समर्पित डबल इंजन वाली सरकार द्वारा वर्ष 2002 से 2022 के दौरान केवल 20 वर्ष के अंतराल में 1549 सबस्टेशन बनाए गए हैं। अर्थात् की प्रति वर्ष औसतन 78 सबस्टेशन का निर्माण हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने आदिवासी इलाकों तथा तट से लगे दूरदराज के घरों में बिजली पहुँचाई है। गुजरात को एक अलग राज्य के रूप में स्थापित करने के समय राज्य के आदिवासी क्षेत्रों में 1 ही सबस्टेशन था। उस समय तटीय क्षेत्र में केवल 3 सबस्टेशन अस्तित्व में थे था 42 वर्ष के बाद 2002 तक 118 नए बने, जबकि पिछले 20 वर्षों में ही तटीय इलाकों में 255 नए सबस्टेशन बनाए गए है। राज्य के सभी क्षेत्रों में घरेलू, औद्योगिक तथा कृषि बिजली की आपूर्ति कराने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने गर्व के साथ कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूरे देश में विकास की किरण फैलाकर देश को नवनिर्माण की ओर ले जाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। ऐसे में भारत के नवनिर्माण में गुजरात ऊर्जा, शिक्षा सहित लोगों को प्रभावित करने वाले सभी क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता का प्रकाश फैलाने के लिए प्रतिबद्ध है।

योग अपनाए निरोगी जीवन पाए..

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2022 को लाइफ फिटनेस योगा एंड डांस स्टूडियो डिंडोली सूरत की तरफ से योग दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्धेस्य योग से होने वाले लाभ तथा योग अपना कर अपने जीवन को निरोगी बनाये इसकी जानकारी लोगो तक पहुचाना था। लाइफ फिटनेस योगा एंड डांस स्टूडियो की मालिक प्रिया गुप्ता की तरफ से एक सफल प्रयास रहा। प्रोग्राम में योग के कुछ आसन और कुछ मुद्रा को किया गया साथ ही शुभम डांस मास्टर के द्वारा बेहतरीन डांस का मंचन भी किया गया इसे दर्शको की तालिया मिली। प्रियागुप्ता ने शुद्ध जोश और आत्म विश्वास के साथ योग की जानकारी देते हुए लोगो को योग करने के लिए प्रेरित किया। आरती बहन, जिगु बहन, सारिका बहन, ईशान, विहान, हर्षित, मिष्टी, सोनाली, राज, संध्या सारिका ने भी योगा और डांस करके लाइफ फिटनेस योगा क्लासिस का नाम रोशन किया और बहुत ही शानदार प्रदर्शन किया।

दो साल बाद अहमदाबाद में पहले की भांति निकलेगी 145वीं ऐतिहासिक रथयात्रा

अहमदाबाद । आगामी 1 जुलाई को अहमदाबाद शहर में भगवान जगन्नाथ नगर भ्रमण को निकलेंगे। कोरोना संकट के बाद दो साल बाद भगवान जगन्नाथ जी की 145वीं रथयात्रा पहले के वर्षों की भांति निकलेगी। भगवान जगन्नाथ जी मंदिर के ट्रस्टी महेन्द्र झा ने रथयात्रा को लेकर बताया कि इसके लिए पुलिस ने मंजूरी प्रदान कर दी है। आगामी रथयात्रा पहले के वर्षों की भांति निकलेगी। जिसमें 18 गजराज, भारतीय संस्कृति के दर्शन करने वाले 101 ट्रक, 30 अखाड़ा, 18 भजनकारों के समूह, 3 बैंडबाजा रथयात्रा में होंगे। इसके अलावा हरिद्वार, अयोध्या, नासिक, उज्जैन, जगन्नाथपुरी और सौराष्ट्र से 2000 जितने साधु-संत रथयात्रा में शामिल होंगे। राज्य में कोरोना के मामले फिर एक बार बढ़ने लगे हैं, जिसे देखते हुए दर्शन करने आनेवाले लोगों को मास्क पहनकर आना होगा। महेन्द्र झा ने बताया कि 29, 30 और 1 जुलाई को भगवान जगन्नाथजी मंदिर में उत्सव का माहौल रहेग। 29 जून को अमावस्या है और उसी दिन भगवान जगन्नाथ जी बहन सुभद्रा जी और बलभद्र जी के साथ ननिहाल से निज मंदिर लौटेंगे। सुबह 6 बजे भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा जी और बलभद्र जी का गर्भगृह में रत्न वेदी पर प्रतिष्ठा की जाएगी। सुबह ।.30 बजे भगवान की नेत्रोत्सव विधि की जाएगी, जिसमें भगवान की आंखों पर पट्टी बांधी जाएगी। तीनों रथों का पूजन और आरती जिसके पश्चात ध्वजारोहण और महाआरती की जाएगी। उसी दिन सुबह 11 बजे मंदिर में देश के विभिन्न राज्यों और शहरों से आए साधु-संतों के लिए भंडारा होगा और उसके बाद उन्हें वस्त्रादि का दान किया जाएगा। दूसरे दिन 30 जून को सुबह भगवान जगन्नाथ जी, बहन सुभद्रा जी और बलभद्र जी का स्वर्ण वेशभूषा समेत सोडषोचार पूजन किया जाएगा। सुबह 10.45 बजे मंदिर प्रांगण में गजराजों का पूजा की जाएगी। इस पूरे कार्यक्रम के दौरान केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बेटे जय शाह मौजूद रहेंगे। दोपहर 12 बजे मंदिर के प्रांगण में तीनों रथों की प्रतिष्ठा की जाएगी। दोपहर तीन बजे की जाएगी। जिसमें गुजरात प्रदेश कांग्रेस के प्रमुख जगदीश ठाकोर, विपक्ष के नेता सुखराम राठवा समेत कांग्रेस नेता मौजूद रहेंगे। शाम 8 बजे महाआरती होगी। महेन्द्र झा ने बताया कि रथयात्रा के दिन यानी 1 जुलाई को सुबह 4 बजे मंगला आरती होगी। सुबह 4.45 बजे भगवान को खीचड़ी का भोग लगाया जाएगा। सुबह 5 बजे भगवान की आंखों से पट्टी खोली जाएगी। सुबह । बजे पहिंद विधि के बाद भगवान जगन्नाथ जी, बहन सुभद्रा जी और बलभद्र जी के रथ प्रस्थान करेंगे। परंपरागत रूट पर अपने भक्तों को दर्शन देकर भगवान के तीनों रथ रात 8 बजे निज मंदिर में लौट आएंगे।

नगरों, महानगरों और शहरी विकास प्राधिकरणों को जनसुविधा के विकास कार्यों के लिए आवंटित किए जाएंगे 5100 करोड़

गांधीनगर । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के नगरों और महानगरों के सुनियोजित तथा व्यापक विकास के लिए स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के अंतर्गत वर्ष 2022-23 के लिए 5100 करोड़ रुपए के आवंटन का आयोजन किया है। मुख्यमंत्री ने राज्य के शहरी विकास एवं शहरी गृह निर्माण विभाग की ओर से इस संदर्भ में उनके समक्ष प्रस्तुत किए गए विस्तृत आवंटन आयोजन प्रस्ताव को मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने 5100 करोड़ रुपए की इस रकम को गुजरात म्युनिसिपल फाइनेंस बोर्ड (जीएमएफबी) तथा गुजरात शहरी विकास मिशन (जीयूडीएम) के मार्फत नगरों और शहरी विकास प्राधिकरणों को देने की भी अनुमति दी है। इसके अंतर्गत गुजरात म्युनिसिपल फाइनेंस बोर्ड को राज्य के महानगरों तथा प्राधिकरणों में जनहित के विभिन्न विकास कार्यों में उपयोग के लिए 3806 करोड़ रुपए की रकम आवंटित की जाएगी। वहीं, गुजरात शहरी विकास मिशन को 1294 करोड़ रुपए आवंटित किए जाएंगे। जीएमएफबी और जीयूडीएम को आवंटित की जाने वाली इस रकम में से राज्य की महानगर पालिकाओं को 3345 करोड़ रुपए, नगर पालिकाओं को 1628 करोड़ रुपए तथा शहरी विकास प्राधिकरणों को 127 करोड़ रुपए की रकम विकास कार्यों के लिए दी जाएगी।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस उद्देश्य से विभिन्न ढांचागत विकास कार्यों के लिए 8 महानगर पालिकाओं को 1917 करोड़ रुपए, नगर पालिकाओं को 379 करोड़ रुपए तथा शहरी विकास प्राधिकरणों को 72 करोड़ रुपए देने का प्रावधान सुनिश्चित किया है। मुख्यमंत्री शहरी सड़क योजना के लिए 500 करोड़ रुपए आवंटित किए जाएंगे, जिसमें से 8 महानगर पालिकाओं को 300 करोड़ रुपए और नगर पालिकों को 200 करोड़ रुपए आवंटित किए जाएंगे। इतना ही नहीं, निजी सोसायटी जनभागीदारी के कार्यों के लिए 350 करोड़ रुपए तथा अनूठी पहचान के कार्यों के लिए 100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। महानगर पालिका तथा नगर पालिका क्षेत्रों में यातायात समस्या के निवारण के लिए फ्लाईओवर के निर्माण के लिए 250 करोड़ रुपए आवंटित किए जाएंगे। इसके अलावा, 8 महानगर पालिकाओं के आउटग्रोथ क्षेत्रों के विकास के लिए 238 करोड़ रुपए का आवंटन किया जाएगा। मुख्यमंत्री स्वर्णिम जयंती शहरी विकास योजना के अंतर्गत नगरों और महानगरों में नागरिक सुविधा वृद्धि के विकास कार्यों में उपयोग के लिए गुजरात शहरी विकास मिशन को 1294 करोड़ रुपए आवंटित किए जाएंगे। इस रकम से भूमिगत सीवरेज, जलापूर्ति और नल से जल कार्यक्रम के तहत पेयजल के वितरण कार्य, नगरों में मुख्यमंत्री बस परिवहन सुविधा तथा नगर पालिकाओं को संचालन एवं रखरखाव खर्च सहायता दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि राज्य के महानगरों और नगरों में नागरिक सुविधा और कल्याण कार्यों को गति देने के लिए गुजरात राज्य की स्थापना के स्वर्ण जयंती वर्ष 2009-10 से स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना लागू की गई है। इस योजना के अंतर्गत 2009 से 2021-22 तक की अवधि में राज्य सरकार ने कुल 44,102 करोड़ रुपए का आवंटन किया है।

पूर्व डीजीपी श्रीकुमार, तीस्ता को 5 दिन की पुलिस हिरासत में भेजा

अहमदाबाद।

अहमदाबाद की अदालत ने राज्य के पूर्व डीजीपी आरबी श्रीकुमार और सामाजिक कार्यकर्ता तीस्ता शीतलवाड़ को पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। जबकि दोनों को शुक्रवार को फिर से अदालत में पेश किया जाना था, अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट ने शनिवार को उन्हें पेश करने की अनुमति दी, क्योंकि पुलिस ने अदालत से अनुरोध किया कि वे जगन्नाथ यात्रा के कारण 1 जुलाई को व्यस्त हैं।

सीतलवाड़ ने अदालत से शिकायत की कि उन्हें बिना किसी गिरफ्तारी वारंट के मुंबई से उठाया गया था, और यह भी सवाल किया कि क्या प्राथमिकी के आधार पर उन्हें गिरफ्तार करना उचित है। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें अपराह्न 3 बजे से रात 10.30 बजे तक शनिवार को अवैध रूप से हिरासत में रखा गया था। जालसाजी मामले के लिए, गुजरात पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार करने के लिए एक एटीएस टीम भेजी। उन्होंने कहा कि वह जांच टीम के साथ सहयोग कर रही है।

दूसरी ओर, विशेष लोक अभियोजक मितेश अमीन ने प्रस्तुत किया कि पुलिस को 14 दिनों के लिए उनकी हिरासत की आवश्यकता है, क्योंकि उन्हें इस बात की जांच करने की आवश्यकता है कि शीतलवाड़ के एनजीओ को कौन वित्त पोषित कर रहा था, और कौन राज्य सरकार के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण अभियान चलाने के लिए उकसा रहा था। उन्होंने कहा कि पुलिस को यह जांच करने के लिए उनकी हिरासत की जरूरत है, कि किसने उन्हें दस्तावेज बनाने में मदद की, किसने साजिश रची और क्यों, उन्होंने आरोप लगाया कि उन्होंने न्यायिक प्रक्रिया को गुमराह करने के लिए यह सब किया।

फैशनोवा-2022 में मंत्रा द्वारा सस्टेनेबिलिटी पर सम्मेलन आयोजित

सूरत। टेक्सटाइल इंडस्ट्री में सस्टेनेबल फैशन की थीम पर आधारित फैशन शो - फैशनोवा-2022 का आयोजन मंत्रा और आईडीटी द्वारा किया गया। आईडीटी के छात्रों ने टिकाऊ सामग्री का उपयोग करके कपड़ों पर विभिन्न भारतीय कलाओं को फिर से बनाया है। इसके लिए मंत्रा के डॉ. रायचूरकर और एम. जी. पारिख जो सस्टेनेबल टेक्सटाइल्स पर शोध कर रहे हैं उनके द्वारा छात्रों को निर्देशित किया गया है। कार्यक्रम में 15 थीम थे, जिसमें फैशन इंस्टीट्यूट के 150 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में जूरी सदस्य नीति सिंघल, रजत सूरी, प्रेरणा गुप्ता, चंद्रकला सनाफ मौजूद थे और शो को केयूर देसाई ने कोरियोग्राफ किया था।

फैशन शो के साथ सस्टेनेबिलिटी पर कॉन्क्लेव का भी आयोजन किया गया। जिसमें आईडीएफएल-अरक्रोमा, देवन सुपरक्रिटिकल, जीबीएम फैब्रिक, रिलायंस जैसी कंपनियों के प्रतिनिधियों ने पैनल चर्चा मेंभाग लिया। मंत्रा से अध्यक्ष श्री रजनीकांत बचकानीवाला, निदेशक डॉ. रायचूरकर और श्री. एम.जी. पारिख ने चर्चा में भाग लिया और मंत्रा की सस्टेनेबिलिटी पर संशोधन और अन्य गतिविधियों पर प्रकाश डाला।

पैनल चर्चा में भाग लेते हुए मंत्रा अध्यक्ष श्री रजनीकांत बचकानीवाला ने कहा कि सस्टेनेबिलिटी आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्यावरण के संरक्षण की प्रक्रिया है। इसका मतलब है कि बायोडिग्रेडेबल या पुनर्नवीनीकरण कपड़ों का उपयोग करना। इसके अलावा, कपड़े को संसाधित करने के लिए पर्यावरण के अनुकूल प्रक्रिया का उपयोग किया गया है। प्राकृतिक फाइबर या प्राकृतिक रंग के कणों का उपयोग किया जा सकता है।

आईडीएफएल के श्री मंगेश ने चर्चा जारी रखते हुए कहा कि टिकाऊ सामग्री को साबित करने के लिए प्रमाणन महत्वपूर्ण है। यह काम हमारी कंपनी आईडीएफएल कर रही है। उदा. हम पुनर्नवीनीकरण सामग्री के लिए जीआरएस प्रमाणन प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि स्थिरता के बारे में व्यवसाइयों के बीच जागरूकता पैदा करने की बहुत आवश्यकता है। उद्योगों को इसके लिए लंबी अवधि में योजना बनानी चाहिए।

सुपर क्रिटिकल के श्री स्वप्नेशु बसर ने कहा कि उनकी कंपनी ने एक ऐसा सिस्टम विकसित

किया है जो बिना पानी के डाईंग कर सकता है। इस प्रणाली में, कार्बन डाइऑक्साइड गैस को सुपर क्रिटिकल अवस्था में बदल दिया जाता है और बिना पानी के डाईंग की जा सकती है। यदि यह तकनीक व्यावसायिक रूप से सफल हो तो पॉलिस्टर और कॉटन की सतत डाईंग की जा सकती है। चर्चा में भाग लेते हुए अरक्रोमा के श्री अंजनी प्रसाद ने कहा कि वर्तमान में लोगों द्वारा पहने जाने वाले अधिकांश कपड़े टिकाऊ नहीं हैं और वे पानी और मिट्टी को प्रदूषित कर रहे हैं। इसके समाधान के रूप में उन्होंने कहा, हमें सुरक्षित रंगों और रसायनों का उपयोग करना चाहिए, पानी को रीसायकल करना चाहिए, ऊर्जा की बचत करनी चाहिए, प्राकृतिक फाइबर का उपयोग बढ़ाना चाहिए। इस प्रकार, सभी के संयुक्त प्रयासों से, हम स्थायी फैशन लाने में सक्षम होंगे।

विश्व एमएसएमई दिवस पर, फ्लिपकार्ट देश भर में एमएसएमई और विक्रेताओं के जुनून को सलाम करता है

जबकि छोटे व्यवसाय अपने व्यवसायों का विस्तार करने और विकास के नए अवसरों की पहचान करने के लिए खोज कर रहे हैं, ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस का यह पक्ष भी विक्रेताओं के लिए अवसर प्रदान करते हुए काफी बढ़ गया है। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म की मदद से, व्यवसाय अब एक राष्ट्रव्यापी बाजार ढूंढ रहे हैं, ऑनलाइन ब्रांड निर्माण के अवसर पैदा कर रहे हैं, साथ ही व्यापार और रोजगार में वृद्धि कर रहे हैं। ई-कॉमर्स क्षेत्र में उछाल के कारण, जो विक्रेता अपना व्यवसाय ऑनलाइन कर चुके हैं, वे भी आश्चर्यजनक सफलता की कहानियां लेकर आ रहे हैं।

व्यापक पहुंच के अलावा, ई-कॉमर्स खिलाड़ी एमएसएमई को वित्त, प्रौद्योगिकी और प्रशिक्षण के माध्यम से अतिरिक्त सहायता भी प्रदान करते हैं। फ्लिपकार्ट, भारत का घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस इन एमएसएमई को नियमित परिचालन सहायता, कंज्यूमर इनसाइट्स और चल रही बिजनेस काउंसिल के माध्यम से समर्थन देना जारी रखता है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उनकी ऑनलाइन यात्रा बाधित न हो। फ्लिपकार्ट हमेशा समाज के हर वर्ग को सशक्त बनाने और विक्रेता समुदाय में विश्वास पैदा करने और उनकी सफलता को आगे बढ़ाने का प्रयास करता है।

फ्लिपकार्ट ने हाल ही में अपनी उद्योग-प्रथम बाज़ार नीति में बदलाव की घोषणा की और नई क्षमताओं के साथ यह एक अधिक जंजीर ई-कॉमर्स पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करेगा, जो बिक्री भागीदार को बढ़ने, समृद्ध और सशक्त बनाने में मदद करेगा। एमएसएमई और छोटे व्यवसायों की मदद करने के लिए फ्लिपकार्ट की प्रतिबद्धता ई-कॉमर्स की शक्ति को और बढ़ाएगी ताकि यह अपने ग्राहकों को सर्वोत्तम सेवा प्रदान करके उनके विकास में तेजी ला सके। नीतिगत परिवर्तनों और क्षमता के संयोजन से एक श्रेणी-सर्वश्रेष्ठ भुगतान नीति बन गई है, जिसमें उद्योग का सबसे तेज़ भुगतान निपटान चक्र शामिल है, जिसमें निर्बाध, 10 मिनट की ऑनबोर्डिंग, विज्ञापन खर्च पर गारंटीड आरओआई, प्रदर्शन करने वाले विक्रेताओं के लिए कम रिटर्न लागत, और बहुत कुछ शामिल है। अन्य आंतरिक लाभों की मेजबानी करने के लिए यात्रा संबंधी जरूरतों के लिए एक क्लियरट्रिप संगठन भी है।

ट्रेन और बस में सहयात्री को नशीला पेय पिलाकर लूटने वाला शख्स एमपी से गिरफ्तार

अहमदाबाद। रेलवे पुलिस ने मध्य प्रदेश के दतिया से एक ऐसे शख्स को गिरफ्तार किया है जो बस या ट्रेन में सहयात्री को नशीला पेय पिलाकर उनको लूट लेता था। गिरफ्तार शख्स के खिलाफ देश के कई राज्यों में इसी प्रकार के कई मामले दर्ज होने का जांच में खुलासा हुआ है। जानकारी के मुताबिक ट्रेन में यात्री के मोबाइल का पासवर्ड पता चलने के बाद एक शख्स ने उसे नशीला पेय पिलाया और यात्री के बेहोश होते ही उसके मोबाइल में मौजूद फोन पे जरिए शख्स ने रु. 1000 ट्रांसफर कर लिए। मामला दर्ज होने पर पश्चिम रेलवे एलसीबी पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस निरीक्षक उत्सव बारोट और उनकी टीम को टेकनिकल सर्वेलंस के जरिए सूचना मिली की उपरोक्त शख्स मध्य प्रदेश के दतिया जिले में है। सूचना के आधार पर पुलिस की एक टीम दतिया पहुंच गई और रविन्द्र सिमरोन पंचम दोहरे नामक शख्स को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने रविन्द्र के पास से 3 फोन और 4 हजार रुपए नकद भी जब्त कर लिए। पुलिस की पूछताछ में रविन्द्र ऐसी कई घटनाओं को अंजाम दे चुका है और उसके खिलाफ देश के अलग अलग राज्यों में मामले दर्ज हैं। मध्य प्रदेश के ग्वालियर और उचेहरा पुलिस थाने में मामला दर्ज है। पूछताछ में पता चला कि रविन्द्र ने पूणे से मुंबई जाने के रास्ते पर, पूणे से उत्तर प्रदेश जा रही ट्रेन में, कोटा से केरल और शिर्डी से मुंबई जा रही ट्रेन में भी सहयात्रियों को नशीला पेय पिलाकर उन्हें लूट लिया था। पुलिस जांच में यह भी खुलासा हुआ कि उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में एक ऑटो रिक्शा चालक को रविन्द्र लूट लिया था। उत्तर प्रदेश के इटावा से दिल्ली जा रही बस के एक यात्री को भी इसी प्रकार लूटा था। दिल्ली से झांसी जा रही ट्रेन में और दतिया में एक टैक्सी ड्राइवर को भी लूट लिया था। आईसीजीएस पोर्टल खंगालने पर पुलिस को पता चला कि रत्नागिरी और लन्जा पुलिस थाने में रविन्द्र के खिलाफ मामला दर्ज है। रविन्द्र ट्रेन या बस में यात्रा के दौरान सहयात्री का विश्वास संपादित करता और उसके बाद चाय या फरूटी में नशीला पेय पिलाकर उन्हें लूट लेता था।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)